मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा-पंजाब एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

www.ajaybharat.com

दैनिक

अजय भारत

भोपाल

मंगलवार, 11 अगस्त 2026

वर्ष: 13, अंक: 18

पेज:08, मूल्य ₹ 2.00 रूपये

बोल कांवड़िया, बोल बम..., सीएम डॉ. मोहन यादव ने बरसाए फूल, बजाया डमरू

कहा- कांवड़ यात्रा धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा के साथ प्रतीक है श्रद्धा और सामाजिक एकता का: सीएम डॉ. यादव

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सभी समुचित प्रबंधन कर रही है। सावन का पवित्र माह भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पर्व है। मां नर्मदा का जल लेकर निकले कांवड़ यात्रियों का उत्साह अतुलनीय है। संस्कार कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान शिव की भक्ति से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो और प्रदेशवासियों का जीवन मंगलमय हो, यही कामना है।

कांवड़ यात्रियों को यथा-योग्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश के धर्म स्थलों पर सभी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। संस्कारधानी जबलपुर से शुरू हुई संस्कार कांवड़ यात्रा अद्भुत है, जिसमें पूज्य दादा गुरु के साथ

हजारों कांवड़िये भक्ति भाव से साधना के मार्ग पर चल रहे हैं। पूज्य दादा गुरु अन्न छोड़कर केवल नर्मदा मैया का जल गृहण कर स्वस्थ जीवन जी रहे है। उनका त्याग और तपस्या सभी के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सावन के दूसरे सोमवार को जबलपुर की संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री दादा गुरू के साथ कांवड़ उठाकर संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कांवड़ियों तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित भी किया।

मां नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कांवड़ियों और प्रदेशवासियों को पवित्र श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के धर्म के प्रति प्रेम से वातावरण भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा और पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांवड़ यात्रियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि श्रावण सोमवार के पावन अवसर पर शिव भक्त कांवड़िये नर्मदा मैया का जल लेकर अपना संकल्प पूरा करने के लिए निकले हैं। मां नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं।

पर्व और त्योहार जीवन में उत्साह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्व और त्योहार हमारे जीवन में उत्साह, उमंग और उल्लास का संचार करते हैं। परमात्मा हमें चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य प्रदान करते हैं। जीवन की पवित्रता के माध्यम से परामात्मा तक पहुंचा जा सकता है। ईश्वर सभी प्रदेशवासियों की मनोकामनाएं पूर्ण करें।

ये हुए शामिल

कांवड़ यात्रा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, जबलपुर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी इंदु, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, विधायक नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री आशा मुकेश गोंटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, पूर्व विधायक नीलेश अवस्थी, सोनू बचवानी एवं रंजीत पटेल, कॉंवड़ यात्रा के संयोजक शिव यादव भी शामिल हुए।

न्यूज कॉर्नर

एआर रहमान के बेटे की कार का हुआ एक्सीडेंट

चेन्नई। (ए.) सोमवार 10 अगस्त की सुबह चेन्नई के गिंडी इलाके में एआर रहमान के बेटे और प्लेबैक सिंगर एआर अमीन का कार एक्सीडेंट हो गया। पुलिस ने बताया कि वैगन-आर एक साइड रोड से मुख्य सड़क पर आई और पोर्श से टकरा गई। इस बीच एआर रहमान या उनके बेटे ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। आपको बता दें कि अमीन एक प्लेबैक सिंगर हैं और उन्होंने कई भारतीय भाषाओं में काम किया है। वह अपने खुद के म्यूजिक प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार अमीन रहमान एक दोस्त के साथ जा रहे थे तभी ओलंपिया टेक पार्क सिग्नल के पास उनकी कार एक कैब से टकरा गई। यह एक्सीडेंट देर रात हुआ, जिसमें अमीन और उनके दोस्त को मामूली चोटें आईं। टक्कर के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बाद में दोनों को छुट्टी दे दी गई और वे घर लौट आए। यह घटना गिंडी में हुई और पुलिस ने एक्सीडेंट से जुड़ी परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। टक्कर की वजह के बारे में और जानकारी का इंतजार है।

चेन्नई में कैब से टकराई कार

एआर रहमान की बेटी ने भाई अमीन की दी हेल्थ अपडेट

चेन्नई में कार एक्सीडेंट के बाद एआर रहमान की बेटी खतीजा रहमान ने अपने भाई एआर अमीन की सेहत के बारे में जानकारी दी है। सोमवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर खतीजा ने फैंस का उनकी चिंता के लिए शुक्रिया अदा किया और बताया कि अमीन ठीक हैं। उन्होंने हर किसी को अलग-अलग जवाब न दे पाने के लिए माफी भी मांगी।

राजगढ़ में बड़ा हादसा

नाले में बहे 11 लोग, 9 की मौत

पुल से फिसलकर नाले में गिरी कार, मृतकों में 3 बच्चे

राजगढ़। अजयभारत न्यूज

राजगढ़ जिले में सोमवार को बारिश ने बड़ा कहर बरपाया। पड़ाना के पास झिरी नाले के तेज बहाव में एक ईको कार बह गई, जिसमें देवास जिले के सतवास क्षेत्र के 11 लोग सवार थे। हादसे में सभी लापता 9 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। दो लोगों को पहले ही सुरक्षित बचा लिया गया था। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हादसे पर मुख्यमंत्री मोहन यादव और कैबिनेट मंत्री मंत्री गौतम टेटवाल ने दुख जताया है। साथ ही मृतकों के परिजन को 4-4 लाख मुआवजा राशि की बात कही है।

बताया जा रहा है कि कार सवार सभी लोग देवास के रहने वाले हैं। वे सतवास से कड़लावद गांव जा रहे थे। वहीं राजगढ़ में पड़ाना केपास झिरी नाले पर 30 फीट का पुल का निर्माण काम चल रहा था। बारिश के कारण झिरी नाला ऊफान पर था। इसके बावजूद चालक ने तेज बहाव के बीच नाला पार करने की कोशिश की और इसी दौरान पानी का बहाव इतना तेज

हुआ कि कार नाले में गिर गई।

हादसे में 2 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि सभी लापता 9 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। ईको में 11 लोग सवार थे। मृत 9 लोगों में 3 बच्चे, 3 महिला और 3 पुरुष के शव बरामद कर लिए गए हैं। जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए सारंगपुर अस्पताल भेजा गया है। जबकि 2 युवक को सकुशल बचा लिया गया था। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बच्चे भी इस दर्दनाक हादसे की चपेट में आ गए। कार का नंबर MP 09 BJ 4684 बताया गया है और वाहन इंदौर का बताया जा रहा है। फिलहाल मृतकों की आधिकारिक पहचान की प्रक्रिया जारी है।

सीएम और मंत्री ने जताया दुख, 4-4 लाख का मुआवजा

वहीं हादसे पर मुख्यमंत्री मोहन यादव व कैबिनेट मंत्री गौतम टेटवाल ने दुख जताया है। सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा 'राजगढ़ जिले के पचोर-सारंगपुर मार्ग पर बारिश के कारण हुई दुर्घटना में यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिजनों के साथ हैं। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।'

तेज बहाव बना काल

प्रत्यक्षदर्शी महेंद्र ने बताया 'नाला बारिश के पानी से पूरी तरह उफान पर था। पानी का बहाव इतना तेज था कि कार उसके सामने टिक नहीं सकी और देखते ही देखते पानी में समा गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रशासन और बचाव दल ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। दो लोगों को बचाने में सफलता मिली, जबकि लापता लोगों की तलाश लगातार जारी है।

क्या बोले अधिकारी?

एसडीएम रोहित बम्होरे ने बताया कि पुल पर पानी होने से ईको कार नाले में गिर गई थी। घटना में सभी 9 लोगों के शव बरामद हुए हैं। जबकि 2 युवक पहले ही तैरकर बाहर निकल आए थे। क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि पुल पर पानी के बाद भी ड्राइवर ने जानबूझकर कार निकाली और ये हादसा हुआ।'

पीएम मोदी से मिले एनसीपी के 8 सांसद

नई दिल्ली। (ए.) इंडी अलायंस के बड़े सहयोगी और शरद पवार की पार्टी के सांसदों ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने वाले हैं। एनसीपी शरद पवार गुट की नेता और सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ सांसदों ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी के साथ सांसदों की करीब 15 से 20 मिनट तक बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, इस मुलाकात में सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े कई मुद्दे प्रधानमंत्री के सामने रखे। बीड से सांसद बजरंग सोनवणे ने सोलापुर के उजनी डैम से बीड जिले को पानी उपलब्ध कराने की मांग की।

परिसीमन बिल पर सियासी अटकलें तेज

परिसीमन बिल पर क्या है रुख?

वहीं, शिरूर से सांसद अमोल कोल्हे ने नासिक-पुणे रेलवे लाइन को लेकर चल रहे विवाद का मुद्दा उठाया। भिवंडी से सांसद बालू मामा म्हात्रे ने नवी मुंबई एयरपोर्ट का नाम भूमिपुत्र दी बा पाटिल के नाम पर रखने की मांग की। किसानों से जुड़े मुद्दों पर भी प्रधानमंत्री के साथ चर्चा हुई। हालांकि, इस मुलाकात के बाद सबसे ज्यादा चर्चा परिसीमन बिल को लेकर हो रही है। सियासी अटकलें हैं कि एनसीपी शरद पवार गुट के सभी आठ सांसद परिसीमन बिल पर मोदी सरकार को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, पार्टी की तरफ से इस पर अभी कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है।

बे-खौफ छात्र आरपार के मूड में विधानसभा गेट पर पहुंचे

छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले...

रांची। एजेंसी

झारखंड में आज जेपीएससी-जेएसएसएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन का बड़ा दिन है। विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और अन्य मांगों को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। इसी क्रम में झारखंड विधानसभा का घेराव करने के लिए छात्रों का मार्च जारी है। छात्रों ने विधानसभा के रास्ते में बनाए गए सभी बैरिकेड्स तोड़ दिए। वे लगातार आगे बढ़ते जा रहे हैं। विधानसभा के करीब पहुंच चुके इन छात्रों को रोकने का प्रशासन का प्रयास विफल साबित हो रहा है।

छात्रों के विधानसभा मार्च को देखते हुए रांची में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। विधानसभा जाने वाले रास्तों पर कई लेयर की बैरिकेडिंग की गई थी और प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कंटीले तार भी लगाए गए लेकिन छात्रों के हौसले के आगे सब धाराशायी हो गए। विधानसभा के आसपास भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। वहीं, इलाके में बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा भी लागू है। दरअसल, छात्रों और सरकार के प्रतिनिधियों के बीच तीन दौर की बातचीत हो चुकी है। कल भी दोनों पक्षों के बीच पांच घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत चली। सरकार की ओर से छात्रों की कई मांगों पर सहमति जताकर आंदोलन खत्म कराने की कोशिश की गई, लेकिन सीबीआई जांच समेत कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी।

राम मंदिर CEO पद: 18 उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट, 5300+ आए आवेदन

मंगलवार और बुधवार को होंगे इंटरव्यू

अयोध्या। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बीच, जानकारी सामने आई है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के लिए 5,300 से अधिक आवेदन आए हैं, जिनमें से 18 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। मंदिर के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रशासनिक अनुभव वाले उम्मीदवारों को इस पद के लिए प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है।

सूत्रों के मुताबिक, इंटरव्यू मंगलवार और बुधवार को मंदिर परिसर में एक पैनल के सामने होंगे। इस पैनल में पूर्व जस्टिस प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) विष्णुकांत चतुर्वेदी और वैज्ञानिक सुरेश हवारे (जो शिरडी साईं बाबा ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन रह चुके हैं) शामिल होंगे।

उम्मीदवारों के लिए जरूरी शर्तें

सीईओ राम मंदिर के कामकाज और मैनेजमेंट की देखरेख के लिए जिम्मेदार होंगे, क्योंकि मंदिर के स्टाफ और अधिकारियों पर दान में हेराफेरी की जांच चल रही है। सूत्रों के अनुसार, चुने गए उम्मीदवार का हिंदू धर्म का पालन करने वाला होना जरूरी है और उन्हें हिंदू परंपराओं और दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा। उम्मीदवार का पूरी तरह शाकाहारी और शराब या नशीले पदार्थों से पूरी तरह दूर रहने वाला होना भी जरूरी है।

HIGHLIGHTS NEWS — हाईलाइट्स न्यूज

विद्यार्थी मंथन

सीएम सर की क्लास

देहरादून। सीएम धामी ने मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन में विद्यार्थियों से बात की। इस दौरान ढाई लाख से अधिक युवा वर्चुअल माध्यम से संवाद से जुड़े हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में युवाओं को बहुत सारी जिम्मेदारी मिलेगी। अलग-अलग क्षेत्रों में काम करेंगे। कोई उद्यमी, डॉक्टर, किसान, शिक्षक बना कर देश के निर्माण में योगदान देगा।

हार्दिक पांड्या

ट्रेड पर क्यों फंसा पेच?

मुंबई। हार्दिक पांड्या एक बार फिर आईपीएल ट्रेड की चर्चाओं में हैं। चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स समेत कई फ्रेंचाइजी की उनकी टीम में दिलचस्पी बताई जा रही है। सीएसके से शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस और 10 करोड़ रुपये के कथित पैकेज की रिपोर्ट भी सामने आई है, लेकिन दोनों फ्रेंचाइजी ने सक्रिय ट्रेड बातचीत की खबरों को खारिज किया है।

द ओडिसी

नोलन के नाम रिकॉर्ड

मुंबई। फिल्म निर्माता और निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की हालिया रिलीज फिल्म 'द ओडिसी' को दर्शकों ने जमकर प्यार दिया है। इतना कि यह फिल्म अब उनके करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। दुनियाभर में 10,515.99 करोड़ रुपये कमाकर द ओडिसी नोलन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

कार्टून कॉर्नर

खास खबर देश के कई बड़े और चर्चित नेता भी रील्स की इस रंगीली दुनिया से जुड़े हुए हैं

रीलबाज सांसद... संसद परिसर में ही धड़ल्ले से Reels बनाते हैं सांसद

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते प्रयागराज में छात्रों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि युवाओं को रील्स देखने और बनाने में उलझाया जा रहा है। उन्होंने इसे 21वीं सदी का नशा करार दिया। भले ही कांग्रेस नेता यह कह रहे हों, बड़ी संख्या में युवा रील्स की दुनिया में उलझे हुए हैं, लेकिन सच्चाई यह भी है कि देश के कई बड़े और चर्चित नेता भी रील्स की इस रंगीली दुनिया से जुड़े हुए हैं और कई सांसद तो ऐसे भी हैं जो संसद भवन परिसर में ही रील बनाने लग जाते हैं।

संसद परिसर के अंदर सोशल मीडिया पर रील्स बनाने या वीडियो बनाने की वजह से कई सांसद जनता और मीडिया के बीच चर्चा का केंद्र बन जाते हैं। इस तरह की चीजों से संसद की मर्यादा और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को लेकर बहस भी होती रही है। खास बात यह है कि संसद परिसर में रील्स बनाने वालों में सिर्फ विपक्ष के सांसद ही नहीं हैं बल्कि कई विपक्षी सांसद भी शामिल हैं।

तीएमसी की महुआ मोइत्रा ने भी बनाई रील

सयानी घोष की तरह पश्चिम बंगाल से आने वाली महुआ मोइत्रा भी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने संसद परिसर में संसदीय कार्यवाही से ब्रेक लेने के दौरान संसद परिसर में ही रील्स बनाए थे। आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में आने वाले राघव चड्ढा भी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। वह भी उस लिस्ट में शामिल हैं जिन्होंने संसद परिसर में रील्स बनाए थे। तब उन्होंने अपने सहयोगी की मदद से रील्स तैयार किया था। तब भी वही सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

संसद परिसर में कई सांसद बनाते हैं रील्स

राहुल गांधी एक ओर रील्स को 21वीं सदी का नशा करार देते हैं तो दूसरी ओर, ऐसे सांसदों की संख्या बढ़ती जा रही है जो संसद परिसर में ही रील्स बनाने लग जाते हैं। जारी मानसून सत्र में ही कई सांसदों ने संसद परिसर में तैयार रील्स बनाए और सोशल मीडिया पर अपलोड किए। पश्चिम बंगाल की चर्चित हस्तियों में शुमार की जाने वाली नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया की नेता, सांसद और अभिनेत्री सायनी घोष ने पिछले दिनों संसद परिसर में तैयार किया गया मॉनसून-थीम वाला इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर किया था।

4 मुख्य बातें

1. संसद में हंगामे के बीच सयानी ने लिया बारिश का मजा
2. महुआ मोइत्रा ने भी संसद परिसर में बनाई थी रील्स
3. रवि किशन और राघव चड्ढा भी रील्स बनाने के शौकीन
4. तो क्या सांसद भी रील्स के नशे के शिकार होते जा रहे हैं?

डॉ. हरिसिंह होंगे एमपीपी सेवा निवृत राजपत्रित अधिकारी संघ के संयोजक

› अशोक भदौरिया को कार्यकारी संयोजक बनाया › मध्य प्रदेश पुलिस सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी संघ का गठन

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

मध्य प्रदेश पुलिस सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी संघ का डॉ हरिसिंह यादव आईपीएस सेवानिवृत उप पुलिस महानिरीक्षक को नया संयोजक मनोनीत किया गया है। संघ के सचिव के डी सोनकिया द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया 9 अगस्त को पुलिस अफसर मैस ग्वालियर में संघ के सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई थी , जिसमें डॉ हरिसिंह यादव को सर्वसम्मति से संयोजक के रूप में चुना गया है। श्री यादव द्वारा अशोक भदौरिया को कार्यकारी संयोजक नियुक्त किया गया। संघ के सदस्यों द्वारा माल्यार्पण कर डॉक्टर यादव व अशोक भदौरिया को करतल ध्वनि से स्वागत कर हार्दिक बधाइयां और शुभकामनाएं दीं गईं। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश पुलिस सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी संघ विगत 25 वर्षों से कार्यरत है। पूर्व संयोजक स्वर्गीय रामलाल वर्मा आईपीएस के निधन उपरांत आरसी छारी आईपीएस सेवानिवृत्त एडीजी को संयोजक का दायित्व सोपा गया था । श्री छारी द्वारा कुशलतापूर्वक संघ का संचालन किया गया किंतु स्वास्थ्य कारणों से उनके द्वारा दायित्व मुक्त होने की घोषणा पिछली बैठक में की गई थी ,तभी से नए संयोजक हेतु संघ द्वारा मंथन किया जा रहा था। संघ के सदस्यों द्वारा आपसी चर्चा व विमर्श उपरांत डॉक्टर हरिसिंह जी को सेवा काल से ही सर्वथा योग्य , उपयुक्त व उत्कृष्ट नेतृत्वकर्ता अधिकारी के रूप में पाकर उन्हें ही निर्विरोध रूप से संयोजक चुन लिया गया। ज्ञातव्य है कि डॉक्टर हरि सिंह मध्य प्रदेश पुलिस के उन जांबाज, साहसी व बहादुर अफसरों में से एक रहे हैं जिन पर हमेशा विभाग ने, सरकार ने व जनता ने भरोसा ,विश्वास तथा गर्व किया। चंबल में डकैती समस्या बढ़ने पर उनकी समय-समय पर पद स्थापना की गई । चम्बल तथा विंध्य क्षेत्र में दस्यु उन्मूलन के क्षेत्र में तो उनकी अद्वितीय भूमिका रही है । असाधारण वीरता एवं अदम्य साहस के लिए दुर्लभ राष्ट्रपति के चार-चार वीरता व सराहनीय सेवा पदकों से उन्हें नवाजा गया

जबरदस्त लोकप्रियता रही

पुलिस अधीक्षक के रूप में संवेदनशीलता, सुरक्षा, आमजन से मेलजोल व उनकी समस्याओं के त्वरित निदान व अपराधियों के प्रति कठोर कदमों से उनकी लोकप्रियता जबरदस्त रही है । चंबल क्षेत्र फिर विंध्यांचल को दस्युराज से मुक्त करने में डॉक्टर हरि सिंह की भूमिका अग्रणी व सर्वोपरि रही है । चंबल के अंतिम सूचीबद्ध डकैत जगजीवन परिहार को दिनदहाड़े जिला मुरैना में हुई एक साहसिक मुठभेड़ में जान की बाजी लगाकर संपूर्ण गैंग के साथ मार गिराया गया था , जिसे सदियों तक याद किया जाएगा । डॉ हरिसिंह की वीरता की कहानी आज भी नए पुलिस कर्मियों और युवाओं को प्रेरित करती हैं।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम का संचालन सचिव के डी सौनकिया तथा मनोनयन प्रक्रिया का संचालन राकेश सिन्हा द्वारा तथा आभार आर एम दीक्षित द्वारा व्यक्त किया गया। उक्त अवसर पर सर्व श्री महेंद्रसिंह तोमर सेवानिवृत्त आई जी , चेतराम सिंह भदौरिया, सुरेश दोहरे, मोहनलाल शर्मा ,शैलेंद्र पांडेय, भगवान सिंह यादव, आर एस पटसारिया, हाकिम सिंह यादव , किशोर सिंह भदौरिया, महेंद्र प्रकाश शर्मा, धर्मवीर भदौरिया, सतीश दुबे आर एन एस भदौरिया, शैलेन्द्र भारती, बी के अरोरा , अशोक उपाध्याय, सुरेश सिंह यादव , संजीव नागर आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की स्वतंत्रता दिवस एवं अन्य पर्वों के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

बलराम कृषि महोत्सव को सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाएं : सीएम डॉ. यादव

भोपाल।अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बलराम कृषि महोत्सव सिर्फ किसानों का नहीं, यह हमारी भारतीय कृषि संस्कृति का उत्सव है। इसीलिए इसे एक सांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाया जाए। इन दिनों प्रदेश में सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसमें उन्नत कृषि पर केंद्रित प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। बड़ी संख्या में किसानों और ग्रामीणों की इसमें सहभागिता इस बात का प्रतीक है कि किसान स्वप्रेरणा से इस महोत्सव से जुड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कृति विभाग बलराम कृषि महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित कर किसानों की बड़ी संख्या में उपस्थिति का लाभ उठाए और उन्हें मनोरंजक तरीके से हमारी संस्कृति और सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस सहित आगामी सभी पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंत्रालय में स्वतंत्रता दिवस और अन्य पर्वों से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावण मास चल रहा है। कांवड़िये शिवालयों की तरफ बढ़ रहे हैं।

रविन्द्र भवन में मनेगा आजादी का महापर्व

अपर मुख्य सचिव शुक्ल ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस अवसर पर सुबह 8.30 बजे शौर्य स्मारक भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शौर्य स्मारक स्थित शहीद स्तम्भ पर पुष्प चक्र एवं भारतमाता की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसी दिन शाम 6.30 बजे रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में आजादी का महापर्व कार्यक्रम मनाया जाएगा। इसमें सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका श्रीमती कविता कृष्णमूर्ति और उनके दल द्वारा सांगीतिक प्रस्तुति दी जाएगी।

28 अगस्त को मनाया जाएगा रक्षाबंधन

अपर मुख्य सचिव संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि 28 अगस्त को रक्षा पर्व के रूप में रक्षाबंधन बनाया जाएगा। इस वर्ष यह सामाजिक संबंधों के राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास में लाड़ली बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाएंगे।

विशाल पौधारोपण अभियान

द्वितीय चरण में 145 पौधों का रोपण

भोपाल।अजयभारत न्यूज

भारत विकास परिषद ग्वालियर महानगर समन्वय द्वारा शिवपुरी लिंक रोड स्थित अजयपुर में विशाल पौधारोपण अभियान का द्वितीय चरण आयोजित किया गया। परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी अशोक गर्ग ने बताया कि संस्था द्वारा कुल 600 पौधों के रोपण का विशाल लक्ष्य रखा गया है ।इस अभियान के दौरान पूरे दिन ऑक्सीजन देने वाले , मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने वाले, भविष्य में छायादार वृक्ष के रूप में परिवर्तित होने वाले व कुछ फलदार व फूलदार पौधों सहित बड़ी संख्या में पौधों का रोपण व भविष्य में देखभाल करने का लक्ष्य रखा गया है जिसके प्रथम चरण में 125 व द्वितीय चरण में 145 नीम, पीपल,बरगद, जामुन, गुलमोहर, कचनार , खैर, खमेर इत्यादि पौधों का रोपण किया गया साथ ही शेष दो चरणों का कार्य भी जल्दी पूरा कर लिया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समन्वय अध्यक्ष विकास रत्न श्रीमती मेघना सिंघल ने की, संचालन सह समन्वयक श्रीमती सुमित्रा सिकरवार द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अवधेशकुमार मीणा (वनमंडल अधिकारी, सामान्य वनमंडल) व विशिष्ट अतिथि श्रीमती स्वाति पाठक (उप विभागीय अधिकारी सामान्य वनमंडल) उपस्थित रहे ।आमंत्रित अतिथियों का परिषद की ओर से दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया व परिषद का साहित्य भेंट किया।

बालाघाट में गंदे पानी से छह बच्चों की मौत से हड़कंप

47 मासूम अब भी अस्पताल में कर रहे संघर्ष

भोपाल।अजयभारत न्यूज

बालाघाट जिले के बैगा आदिवासी बहुल गांवों में फैली बीमारी ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। अडोरी कुंडेकसा बोंदारी और कोरका गांवों में अब तक 1 से 13 साल की उम्र के छह बच्चों की मौत हो चुकी है। लगातार बच्चों के बीमार पड़ने की जानकारी सामने आने के बाद भोपाल तक प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया है। जबलपुर मेडिकल कॉलेज से विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय टीम प्रभावित गांवों में पहुंचकर बीमारी की जांच कर रही है। जबलपुर मेडिकल कॉलेज के महामारी विशेषज्ञ डॉ. रविंद्र विश्नोई के नेतृत्व में पहुंची टीम ने प्रारंभिक जांच में बच्चों में पोषण की कमी और दूषित पानी को बीमारी की प्रमुख वजह माना है। विशेषज्ञों के अनुसार पर्याप्त पोषण नहीं मिलने से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो गई। इसके चलते बच्चे संक्रमण की चपेट में आसानी से आ गए। बीमारी की शुरुआत में बच्चों के शरीर पर दाने निकलने के साथ बुखार, मुंह में छाले, भूख नहीं लगना और झटके आने जैसे लक्षण सामने आए। बड़ी संख्या में बच्चों के बीमार पड़ने से ग्रामीण इलाकों में हड़कंप की स्थिति बन गई। हालांकि बीमारी की सटीक वजह और संक्रमण की पुष्टि के लिए बच्चों के सैंपल पुणे स्थित लैब में भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद बीमारी की वास्तविक स्थिति और कारण स्पष्ट होने की उम्मीद है।

47 बच्चे अस्पताल में भर्ती

स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित गांवों में शिविर और अस्थायी अस्पताल बनाकर इलाज शुरू कर दिया है। बीमार बच्चों और ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। वर्तमान में 47 बच्चे बैहर और बालाघाट जिला अस्पताल में भर्ती हैं। इलाज के बाद स्वस्थ हुए 51 बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है।

6 बच्चों की मौत की पुष्टि

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने 6 बच्चों की मौत की पुष्टि की है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की विस्तृत रिपोर्ट भोपाल भेज दी है। प्रशासन की निगरानी में प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य टीमों की तैनाती की गई है। विशेषज्ञों की टीम बीमारी के कारणों का पता लगाने के साथ ही पानी और पोषण की स्थिति की भी जांच कर रही है। सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

सीएम डॉ. यादव अहमदाबाद में कल करेंगे मेगा निवेश संवाद

गुजरात के प्रमुख उद्योग समूहों से करेंगे वन-टू-वन चर्चा, मध्यप्रदेश में निवेश के लिए देंगे आमंत्रण

भोपाल।अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने और देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ निवेश साझेदारी को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 अगस्त को अहमदाबाद में गुजरात के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों से संवाद करेंगे। अहमदाबाद में मेगा निवेश रोड शो में मुख्यमंत्री गुजरात के उद्योग जगत को मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों, अनुकूल औद्योगिक नीतियों और निवेशक सुविधाओं से अवगत कराएंगे तथा प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए भी गुजरात के उद्योग जगत को आमंत्रित भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अहमदाबाद प्रवास के दौरान गुजरात के प्रमुख औद्योगिक समूहों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठकें करेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद लिमिटेड, टोरेंट पॉवर तथा अडानी ग्रुप के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे। इन बैठकों में वस्त्र, ऊर्जा, अधोसंरचना, विनिर्माण और औद्योगिक विस्तार के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श होगा। हरी कृष्णा एक्सपोर्ट के चेयरमैन श्री ढोलकिया, चिरिपाल समूह के चेयरमैन बृजमोहन चिरिपाल और अग्रवाल ग्रुप के चेयरमैन चिमन भाई शाह के साथ भी व्यक्तिगत बैठकें करेंगे। संवादों में संभावित निवेश परियोजनाओं, औद्योगिक विस्तार, भूमि उपलब्धता तथा निवेशकों को उपलब्ध सुविधाओं और सहयोग पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह सीधा संवाद गुजरात के प्रमुख उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों से जोड़ने और संभावित निवेश प्रस्तावों को आगे बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा।

नामांकन विज्ञप्ति/संशोधन सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.06.2026 के दैनिक समाचार पत्र में क्षेत्र क्रं 12 वार्ड 56 की विज्ञप्ति में आवेदक के नामों में एक नाम सम्मिलित करना भूल गये थे। अतः जिसमें अनीता रजक/नीरज रजक सम्मलित किया जावे बाकी सब यथावत है।

आवेदक का नाम व पता-

नंदराम, मोनू रजक/स्व. हीरालाल, अनीता रजक/नीरज रजक

पता-नहरवाली माता रोड ग्वा0 (म.प्र.)

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति क्षेत्र क्रं 01, वार्ड क्रं 05,स्थान प्लाट क्रं 32, गोकुल विलास फेस-4, **मानपुर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **नविता जैन/राजेश जैन** के नाम से नगर निगम मे आई डी क्र 9000312270 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 860 वर्गफुट है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142602025ए1019188 दिनांक 08.01.2025 द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र बहौडापुर, क्षे.क्र 01, पर दिनांक 10.08.2026 को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं 60/2010/74747/74952 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम/पता

मधु तिवारी/नारायण प्रसाद

पता-मानपुर ग्वा0(म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक- 10.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 21 वार्ड क्रं 54,स्थान छुट्टा की बजरिया ग्वा0** मे स्थित है जो कि **बालकिशन पाल, भरोसी पाल, अशोक,मुन्ना पाल/स्व. रामचरण पाल** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 9000307442** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **231 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्रक्रं आर-21032600485518 दिनांक 26.03.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र आमखो, **क्षे.क्र21**, पर दिनांक को किया गया है। जिसका ऑनलाईन **आवेदन कार्य क्रं** PT 81936 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-

ममता पाल/अशोक पाल

पता-छुट्टा की बजरिया ग्वा0 (म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक-10.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 08 वार्ड क्रं 18,स्थान ए-16,वायूनगर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **श्रीमती जानकी/बाबू सिंह, राजवीर सिंह सिकरवार/ शम्भू सिंह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000147132** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 750 **वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्रक्रं दिनांक 09.03.2026** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र डी.डी नगर, **क्षे.क्र 08**, पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** PT 82032 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-

श्रीमती ज्योति/दीपेन्द्र सिंह

पता-वायूनगर ग्वा0 (म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक-10.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 12 वार्ड क्रं 56, भवन क्रं 701, स्थान नाका चन्द्रवदनी,पारस बिहार कॉलोनी ग्वा0** मे स्थित है जो कि **रेवती शर्मा/भागीरथ शर्मा** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000256414** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 1200 **वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142602021ए11070068 दिनांक 17.12.2021** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र रोशनी घर, **क्षे.क्र 12**, पर दिनांक 05.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 69/2010/67849/67982** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-

अल्पना,सुमित,ध्रुव/स्व. श्री संजीव कुमार गुप्ता

पता-नाका चन्द्रवदनी, पारस बिहार कॉलोनी ग्वा0 (म.प्र.),मो0-8305281873

विज्ञप्ति जारी दिनांक-10.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 15 वार्ड क्रं 43,स्थान सराफा सोलिड प्लाजा ग्वा0** मे स्थित है जो कि **राजेन्द्र अग्रवाल/स्व. रामकृष्ण अग्रवाल,उमेश अग्रवाल/कैलाश चन्द्र अग्रवाल** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं 1000188875 का भाग** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **275.23 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र क्रं आर-09102501480441 दिनांक 11.10.2025** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र गांधी मार्केट, **क्षे.क्र 15**, पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-

नेहा जैन/महेन्द्र कुमार जैन

पता-सराफा, सोलिड प्लाजा ग्वा0 (म.प्र.), मो0-9826514514

विज्ञप्ति जारी दिनांक-10.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्रं 22** वार्ड क्रं 62,स्थान **प्लाट क्रं 12, ब्लॉक-सी, द्वारिका धाम फेस-2 पदमपुर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **डोंगर सिंह/परम सिंह द्वारा मुख्त्यारनामा ध्यानेन्द्र सिंह/डोंगर सिंह** के नाम से नगर निगम मे आई डी क्र **9000305291** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **800 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्र आर-30072601319286 दिनांक 30.07.2026 द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **खुरैरी, क्षे.क्र 22**, पर दिनांक को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता

रेखा नरवरिया/राजेश सिंह नरवरिया

पता-पदमपुर ग्वा0(म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक 10.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्रं 22** वार्ड क्रं 62,स्थान **प्लाट क्रं 02, द्वारिका धाम, पदमपुर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **डोंगर सिंह/परम सिंह द्वारा मुख्त्यारनामा ध्यानेन्द्र सिंह/डोंगर सिंह** के नाम से नगर निगम मे आई डी क्र **9000305292** पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **1000 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142592015ए1182664 दिनांक 30.11.2015 उत्तराधिकार/मृत्युउपरान्त द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **सैनिक पैट्रोल पंप, क्षे.क्र 10**, पर दिनांक 10.08.2026 को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं 67/2010/65682/65732 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता

श्रीमती संगीता/राजेश लोधी

पता-गौतम नगर ग्वा0(म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक 10.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्रं 10** वार्ड क्रं 23, स्थान **गोतम नगर ग्वा0** मे स्थित है जो कि **कुसुम/ शंकरलाल कुशवाह** के नाम से नगर निगम मे आई डी क्र 9000293503 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **600 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रं एमपी142592015ए1691854 दिनांक 13.08.2021 उत्तराधिकार/मृत्युउपरान्त द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **सैनिक पैट्रोल पंप, क्षे.क्र 10**, पर दिनांक 10.08.2026 को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं 67/2010/65683/65733 प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता

मनोज अग्रवाल/हरीबाबू अग्रवाल, एकता बनवारी/स्व. राजेश कुमार बनवारी, वत्सल बनवारी/स्व. राजेश कुमार

पता-जीवाजीनगर ग्वा0(म.प्र.)

मो0-9300601151

विज्ञप्ति जारी दिनांक 10.08.2026

निगम परिषद की बैठक में लिए अनेक निर्णय

सड़क..भूमि पूजन...और मुक्ति धामों पर फोकस

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

नगर निगम परिषद के विशेष अभियाचित सम्मेलन का आयोजन नगर निगम अध्यक्ष मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में जल विहार परिषद सभागार में आयोजित किया गया। बैठक में बिंदु क्रमांक 12 शहर की सड़कों पर चर्चा के उपरांत निगम अध्यक्ष मनोज सिंह तोमर ने निगमायुक्त को निर्देषित करते हुए कहा कि सड़कों के संबंध में वर्ष 2024 में पारित ठहराव क्रमांक 124 में समिति बनाकर रोडों पर कार्यवाही करने के निर्देष दिए गए थे। जिसको लेकर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई। निगमायुक्त पूर्व ठहराव का पालन करते हुए मौलिक निधि के प्रकरणों में समय सीमा निर्धारित करें कि सड़कों कार्य पूर्ण हो सकें। इसके साथ ही कार्यादेष जारी हो चुकी सड़कों का सात दिवस के अंदर प्रोटोकॉल का पालन करते हुए भूमि पूजन करायें। यदि भूमि पूजन नहीं हो पाता है तो संबंधित ठेकेदार से कार्य प्रारंभ करायें। बैठक में बिंदु क्रमांक 13 निगम द्वारा समस्त विभागों निविदा प्रकरणों में मूल राशि के अतिरिक्त संधारण व परिचालन के संबंध में एवं बिंदु क्रमांक 15 कार्यशाला एवं डिपो कार्यालय (उप कार्यषाला) के अधीन वाहनों के संचालन एवं प्रबंधन के साथ साथ वाहनों की पात्रता एवं उपलब्ध कराये गए अधिकारी/कर्मचारियों के संबंध में तथा वाहनों के क्रय विक्रय के संबंधित सहित उपरोक्त बिंदुओं पर चर्चा उपरांत निगम अध्यक्ष मनोज सिंह तोमर ने निर्देशित किया कि पहले से गठित जांच समिति की रिपोर्ट आने के बाद चर्चा की जाएगी।

रिपोर्ट प्रस्तुत करें: इसके साथ ही निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने आसंदी से यह भी निर्देशित किया कि जितनी भी जांच समितियां बनाई गई हैं वह एक माह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें, यदि एक माह में रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर पा रहे है, तो कारण सहित सदन को बतायें। इसके बाद एजेंडे समाप्ति की घोषणा की गई।

मुक्ति धामों की दुर्दुशा पर चर्चा

बिंदु क्रमांक 14 होर्डिंग एवं गेंन्ट्री आदि पर चर्चा उपरांत निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने निर्देशित किया कि गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर चर्चा की जाएगी। बिंदु क्रमांक 16 श्मशान घाट के संबंध में पारित ठहराव का क्रियान्वयन किये जाने के संबंध में चर्चा उपरांत निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने निगमायुक्त को निर्देशित किया कि मुक्ति धामों में आवश्यकतानुसार पहुंच मार्ग निर्माण, टीन शेड निर्माण, बैठने की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, पीने के पानी की व्यवस्था, गैस से शवदाह की व्यवस्था, विद्युत शवदाह की व्यवस्था, शौचालय, लॉकर, सीसीटीवी कैमरा, गार्ड, गौशाला से शासकीय रेट पर कंडों की व्यवस्था, रसीद की व्यवस्था करें।

हर घर तिरंगा अभियान

जिले के महाविद्यालयों व स्कूलों में उत्साह व उमंग के साथ निकली तिरंगा यात्राएं

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले के स्कूलों, महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं में उत्साह व उमंग के साथ गतिविधियां आयोजित हो रहीं हैं। सोमवार को जिले के विभिन्न स्कूलों व संस्थाओं में तिरंगा यात्रा निकाली गई। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज पर केन्द्रित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित गणमान्य नागरिकों ने भारतीय आन-बान एवं शान के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को हाथों में थामकर उत्साह के साथ भाग लिया। वंदे मातरम्, भारत माता की जय एवं देश भक्ति के अन्य नारों का जयघोष करते हुए सभी को अपने-अपने घरों, कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में तिरंगा लगाने का संदेश दिया। सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेलवे कॉलोनी, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, पीजीवी कॉलेज एनसीसी यूनिट, शासकीय हाईस्कूल अजयपुर, शासकीय हाईस्कूल तिघरा घाटीगांव, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरई, शासकीय प्राथमिक विद्यालय नजरपुरा सहित अन्य स्कूलों में आयोजन हुए। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत ग्वालियर जिले में भी 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा

» आयोजन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

» अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त को ग्वालियर में भी पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। आयोजन की सभी तैयारियां समय रहते विभागीय अधिकारी पूर्ण करें। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश के नाम संदेश का सीधा प्रसारण भी किया जायेगा। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ आकर्षक परेड भी निकाली जायेगी। आयोजन के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह, हर घर तिरंगा अभियान के साथ-साथ शासन के अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सी बी प्रसाद, अपर कलेक्टर अनिल बनवारिया, अपर आयुक्त नगर निगम प्रदीप तोमर सहित जिले के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए हैं कि विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन समय-सीमा में पूर्ण करें। समारोह पूर्ण गरिमा और भव्यता के साथ आयोजन हो, इसके लिये सभी तैयारियां की जाएं। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रमों का आयोजन

उन्होंने कहा कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों में समाज के सभी वर्ग शामिल हों। स्कूल, कॉलेजों में भी विभिन्न आयोजन कर बच्चों को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ा जाए।बैठक में किसानों को खाद वितरण की भी विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को समय पर खाद की उपलब्धता हो यह सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई।

महिलाओं ने कराई स्वास्थ्य जांच, हीमोग्लोबिन का भी पता चला

डॉ. रश्मि दीक्षित बोलीं- लापरवाही के बजाय समय पर जांच जरूरी

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

विंध्याचल कॉलोनी स्थित महावीरपुरा सेवा बस्ती में महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर की शुरुआत स्वर्गीय डॉ. केसी दीक्षित के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। शिविर में डॉ. रश्मि दीक्षित ने महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर आवश्यक परामर्श और मार्गदर्शन दिया गया। महिलाओं के हीमोग्लोबिन की निःशुल्क जांच भी की गई। जांच के बाद महिलाओं को उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी दी गई और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी गई। डॉ. रश्मि दीक्षित ने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना जरूरी है। कई बार महिलाएं छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज कर देती हैं, जो आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती हैं। नियमित जांच और समय पर उपचार से कई बीमारियों से बचाव संभव है।

स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज न करें

उन्होंने कहा कि सेवा बस्तियों में इस तरह के स्वास्थ्य शिविर महिलाओं को जांच, चिकित्सकीय परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज न करें और समय पर चिकित्सकीय सलाह लें। शिविर में शोभा दीक्षित, डॉ. रुचि भार्गव, डॉ. अनिल शुक्ला, इशांत शुक्ला, उत्तरांश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विद्या वही, जो व्यक्ति को बंधनों से मुक्त करे: प्रो. सिंह

भारतीय शिक्षण मंडल और विधि संस्थान ने मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव, महर्षि वेदव्यास के योगदान को किया याद

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

विद्या का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि व्यक्ति को सही ज्ञान देकर जीवन के बंधनों से मुक्त करना भी है। सा विद्या या विमुक्तये अर्थात विद्या वही है, जो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे। यह बात जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. एसके सिंह ने गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति आस्था, श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। वेदों के संकलन तथा महाभारत की रचना करने वाले महर्षि वेदव्यास के सम्मान में भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में गुरु पूर्णिमा उत्सव आयोजित किया जाता है। भारतीय शिक्षण मंडल के उच्च शिक्षा गतिविधि प्रमुख डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि गुरु एक से अधिक भी हो सकते हैं। जिन-जिन व्यक्तियों से हम सीखते हैं, वे सभी हमारे गुरु हो सकते हैं।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में डॉ. रामशंकर ने स्वागत भाषण दिया। विधि संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. जीके शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया। संचालन डॉ. अमित बंसल ने किया। इस अवसर पर प्रो. गणेश दुबे, डॉ. प्रभाकर सिंह, शांतनु पांडे, नेहा रामपुरिया, डॉ. विकास शिवहरे, श्रुति वर्मा और रौनक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्रों ने किया रामदास घाटी पार्क में पौधरोपण

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

एक पेड़ माँ के नाम एवं अमृत हरित महाअभियान के तहत सोमवार को रामदास घाटी पार्क में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगर निगम के पार्क विभाग के अधिकारियों, एवं एएमआई शिशु मंदिर स्कूल के विद्यार्थियों ने वृहदस्तर पर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद उद्यान निरीक्षक राजकुमार राजावत , अंकित परिहार और एएमआई शिशु मंदिर के स्कूली बच्चों ने पार्क परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। इस अवसर पर एएमआई स्कूल प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का स्वाभाविक विकास होता है। वृक्षारोपण कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं पार्क टीम के सदस्यों को पर्यावरण सुरक्षा, पौधों की देखभाल और हरित धरोहर को सहेजने की सामूहिक शपथ दिलाई गई।

सीएमएचओ ने किया कार्यालय का औचक निरीक्षण

» कर्मचारियों की उपस्थिति से लेकर पेंडेंसी तक जांची

» डॉ. एमएस सागर ने सभी सेक्शन के रिकॉर्ड देखे, अधिकारियों-कर्मचारियों को समय पर काम निपटाने के निर्देश

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. एमएस सागर ने सोमवार को सीएमएचओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति, विभिन्न सेक्शनों में लंबित प्रकरणों (पेंडेंसी) और रिकॉर्ड के रख-रखाव की स्थिति देखी। सीएमएचओ ने कार्यालय के विभिन्न सेक्शनों का भ्रमण कर अधिकारी-कर्मचारियों से चर्चा की और संबंधित रिकॉर्ड की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। डॉ. सागर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी समय पर कार्यालय पहुंचें और निर्धारित समय पर ही कार्यालय से रवाना हों। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी-कर्मचारी की सीट पर काम लंबित नहीं रहना चाहिए। आमजन से जुड़े कार्यों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए, ताकि उन्हें कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

समय-समय पर करते हैं औचक निरीक्षण

सीएमएचओ डॉ. एमएस सागर द्वारा कार्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान वे कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ-साथ कामकाज, रिकॉर्ड संधारण और लंबित प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा करते हैं।

खास खबर

29 सरकारी अस्पतालों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगी क्लीनिक

एचआरपी क्लिनिक में 1082 गर्भवती महिलाओं की जांच, 480 निकलीं हाई रिस्क

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत सोमवार को जिले के 29 शहरी एवं ग्रामीण सरकारी अस्पतालों में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) क्लिनिक लगाई गई। इनमें कुल 1082 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। जांच के दौरान 480 महिलाओं को हाई रिस्क गर्भवती के रूप में चिन्हित किया गया। 240 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी कराई गई, जबकि गंभीर स्थिति वाली 15 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। 71 महिलाओं को आयरन सुक्रोज के इंजेक्शन लगाए गए। हर माह की 9 और 25 तारीख को एचआरपी क्लीनिक आयोजित की जाती है। इस बार 9 अगस्त को रविवार का अवकाश होने के कारण 10 अगस्त को क्लीनिक लगाई गई। अभियान का उद्देश्य हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका उपचार एवं प्रसव तक लगातार फॉलोअप सुनिश्चित करना है, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाई जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एस. सागर ने बताया कि एचआरपी क्लीनिक में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी, हीमोग्लोबिन सहित अन्य रक्त जांच और यूरिन जांच कराई गई। हाई रिस्क पाई गई महिलाओं को आवश्यकतानुसार उपचार और अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था की गई। क्लीनिक में महिलाओं को फल एवं पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का प्रसव होने तक लगातार फॉलोअप किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इन महिलाओं की निगरानी रखने और जरूरत के अनुसार समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला चिकित्सक करती हैं हाई रिस्क गर्भवतियों की जांच

जिला स्वास्थ्य अधिकारी-1 डॉ. पवन जैन ने बताया कि हर माह 9 एवं 25 तारीख को चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं में महिला चिकित्सकों द्वारा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती है। 10 अगस्त को जिले के 29 सरकारी अस्पतालों में एचआरपी क्लिनिक आयोजित की गई। इसके बाद 11 अगस्त को डी.डी. नगर अस्पताल में भी एचआरपी क्लिनिक लगाई गई है।

इन स्वास्थ्य संस्थाओं में लगी एचआरपी क्लीनिक

जिले में एचआरपी क्लिनिक जिला चिकित्सालय मुरार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हस्तिनापुर, मितरवार, मोहना, डबरा और बरई में लगाई गई। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उटीला, चीनौर, वीरपुर, आतरी, पिछोर, कुलैथ, प्रसूति गृह माधौगंज व बिरलानगर तथा यूपीएचसी लश्कीगंज, हुशवली, पंतनगर, ठाठीपुर, बहोड़ापुर और हाथीखाना में भी गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इसके साथ ही सिविल हॉस्पिटल हजीरा, सिविल डिस्पेंसरी जनकगंज, सिविल अस्पताल हेमसिंह की परेड, लधेड़ी, आदर्श मिल, नाका चंद्रवनी, गेंडेवाली सड़क, शब्द प्रताप आश्रम और पीएचई कॉलोनी में भी एचआरपी क्लीनिक आयोजित की गई।

आज का विचार

मन, बुद्धि, अहंकार और चित्त.. मैं इनमें से कुछ भी नहीं हूँ। मैं न कान हूँ, न जीभ, न नाक, न आँख... मैं न आकाश हूँ, न पृथ्वी, न अग्नि, न वायु। मैं तो सच्चिदानंद रूप हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ।

■ आदि शंकराचार्य

जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते, तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। शिव हर जीव के भीतर वास करते हैं, इसलिए मानवता की सेवा ही सच्ची शिव आराधना है।

■ स्वामी विवेकानंद

सम्पादकीय

भागवत का Gen 5 और Gen Alpha

जेन जी और जेन अल्फा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का हालिया संवाद देश के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है। मुंबई में आयोजित 'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशन्स' के 15वें वर्षगांठ कार्यक्रम में भागवत ने लगभग 2,000 युवा छात्रों से सीधा संवाद साधा और उनके तीखे सवालों के जवाब दिए।यह कहना चाहिए कि अब जेन जी सबसे अहम राष्ट्रीय मुद्दा और सरोकार है। जो सत्ता में हैं अथवा सत्ता हासिल करने की इच्छा रखते हैं या प्रभावशाली जमात हैं, उन्हें सचेत हो जाना चाहिए, क्योंकि जेन जी ने करवट बदलना और आंदोलनकारी विरोध करना सीख लिया है। उसका विरोध अब स्कूलों में दोपहर के भोजन की गुणवत्ता संवार रहा है, पर्याप्त अध्यापकों की तुरंत नियुक्तियां की जा रही हैं, बाथरूम की बेहतर व्यवस्था की जा रही है और कक्षा में पंखों का बंदोबस्त करना पड़ा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चुनाव क्षेत्र विदिशा में जिस तरह स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डाल कर नदी पार करनी पड़ती थी, उस पर भी मप्र सरकार की आंख खुल गई है और समस्या का संज्ञान लेकर समाधान किया जा रहा है। जेन जी की जो पीढ़ी आज किशोर है, वह 2029 के लोकसभा चुनाव तक बालिग होकर मतदाता बन जाएगी। यह संख्या 38-40 करोड़ बताई जा रही है। वह किसी भी पक्ष के जनादेश को पलटने की कूवत रखने की स्थिति में होगी, लिहाजा सरसंघचालक को हस्तक्षेप कर संवाद की शुरुआत करनी पड़ी है। हालांकि आरएसएस के सरोकार राजनीतिक नहीं होते, वह सामाजिक उत्थान, परिवर्तन के लिए काम करता रहा है, लेकिन भाजपा के प्रति उसका समर्थन और उसकी सक्रियता किसी से छिपी भी नहीं है। संघ प्रमुख भागवत ने माना है कि जेन जी का गुस्सा जायज है, वे अपने ही लोग हैं, हमारी पीढ़ी से अधिक देशभक्त और ईमानदार हैं, लिहाजा उनसे बराबर संवाद किया जाना चाहिए। उनका आंदोलन देश-विरोधी नहीं है, बल्कि यह भी संवाद और सहमति का एक तरीका है। बेशक शिक्षा सभी के लिए सुलभ हो और जीडीपी का 6 फीसदी शिक्षा पर खर्च किया जाना चाहिए। भागवत ने यह सवाल भी किया कि दिल्ली में आंदोलनकारी छात्रों, युवाओं पर पैलेट गन क्यों चलाई गई? सरसंघचालक ने अपने ही सहयोगी एवं आरएसएस के सह-सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव) अतुल लिमये के विचार, बयान को खारिज कर दिया, क्योंकि उन्होंने जंतर-मंतर वाली जेन जी को देश-विरोधी और संविधान-विरोधी करार दिया था। अतुल लिमये संघ में तीसरे स्थान के पदाधिकारी हैं।सरसंघचालक ने प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से सवाल नहीं किया कि वे छात्रों, युवाओं पर बर्बर हिंसा को लेकर स्पष्टीकरण क्यों नहीं दे रहे हैं? शायद संघ में ऐसे सवालों की संस्कृति नहीं है! बहरहाल मोहन भागवत ने इस संवाद के जरिए जो संदेश दिया है, यकीनन वह राष्ट्रव्यापी है और जेन जी जमात के लिए भी महत्वपूर्ण है। संघ प्रमुख ने नसीहत-सी दी है कि जेन जी को हिंसा का रोल मॉडल न तो बनना चाहिए और न ही सरकार को उन्हें हिंसक करार देना चाहिए। उनके आक्रोश और क्षोभ को समझना चाहिए। जेन जी को आप हांक नहीं सकते, हुक्म-निर्देश नहीं दे सकते, सिर्फ संवाद का ही रास्ता है और संवाद ही, अंततः, समाधान होता है। दरअसल जिस संगठन के बैनर तले मुंबई में संवाद का यह आयोजन किया गया, वह जेन जी का ही संगठन है और छात्र, युवा ही उसे संचालित करते हैं। इस संगठन से करीब 1.50 लाख स्कूल-कॉलेज जुड़े हैं। इसका विस्तार 40 देशों के 275 शहरों तक है और करीब 7.50 करोड़ युवा इससे जुड़े हैं। नाम है-'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस। इसकी स्थापना 2011 में की गई थी। मुंबई इसका मुख्यालय शहर है। बहरहाल इन आंकड़ों से ही सरसंघचालक के संवाद की महत्ता, व्यापकता और प्रासंगिकता को समझा जा सकता है। उनका संबोधन और संवाद भाजपा की उस जमात के लिए भी सबक और संदेश है, जो जेन जी और जंतर-मंतर के आंदोलनकारी युवाओं को पंचर लगाने वाली जमात, गटर जेनरेशन और विदेशी फंडिंग के एजेंट आदि करार देती है। कमोबेश प्रधानमंत्री मोदी ने जेन जी के व्यापक आक्रोश और प्रभाव को समझा है, लिहाजा लगातार वीडियो के जरिए उस पीढ़ी को संबोधित कर रहे हैं और नए अभियानों की शुरुआत भी कर रहे हैं।

आज का चिंतन

पानी से पढ़े मानवता का पाठ

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है। सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं। कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।

माय ओपीनियन

■ किशन भावनानी, एडवोकेट

मेटा विवाद: डिजिटल युग में सुरक्षा बनाम स्वतंत्रता

वैश्विक स्तरपर डिजिटल क्रांति ने मानव सभ्यता को संचार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संपर्क के ऐसे अवसर दिए हैं, जिनकी कुछ दशक पहले कल्पना भी कठिन थी। आज अरबों लोग प्रतिदिन फेसबुक,इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हैं। व्यक्तिगत संवाद से लेकर सरकारी योजनाओं,व्यापारिक लेन-देन, शिक्षा, न्यायिक प्रक्रियाओं और वैश्विक कूटनीति तक डिजिटल माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। किंतु जितनी तीव्र गति से डिजिटल सुविधाएँ बढ़ी हैं, उतनी ही तीव्र गति से साइबर अपराध, भ्रामक सूचनाएँ,डीपफेक,ऑनलाइन ठगी, डेटा गोपनीयता के संकट तथा बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। यही कारण है कि अब पूरी दुनियाँ में यह प्रश्न प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या तकनीकी कंपनियाँ केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित रह सकती हैं अथवा उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर होने वाले अपराधों की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी उठानी होगी।हाल के घटनाक्रमों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। शुक्रवार दिनांक 7 अगस्त 2026 को इस पूरे मुद्दे पर कानूनी और मानवाधिकारों के संरक्षण की दिशा में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक ऐतिहासिक और बेहद कड़ा कदम उठाया है।

आयोग ने इस विषय पर स्वतःसंज्ञान लेते हुए को मेटा इंडिया और भारत के आठ प्रमुख राज्यों (दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और बिहार) के पुलिस महानिदेशकों को विस्तृत नोटिस जारी किया। एनएचआरसी ने जांच के लिए 50 विशिष्ट इंटरनेट लिंक कानून प्रवर्तन एजेंसियों और मेटा के साथ साझा किए हैं। आयोग का स्पष्ट मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री का लगातार बने रहना बच्चों की गरिमा, निजता और उनके मौलिक मानवाधिकारों का निरंतर उल्लंघन है। यह पूरी कार्रवाई मुख्य रूप से भारत के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून, 2012 के कड़े नियमों के तहत की जा रही है।

पोक्सो अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत, किसी भी व्यक्ति या मध्यवर्ती संस्था (जैसे मेटा) को यदि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध या ऐसी सामग्री के प्रसार की जानकारी मिलती है, तो उसकी तुरंत रिपोर्ट करना अनिवार्य है। इस कानून के तहत बाल यौन शोषण सामग्री को देखना, संग्रहीत करना या उसका प्रसार करना एक गंभीर और गैर-जमानती आपराधिक कृत्य है एनएचआरसी ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों की साइबर क्राइम इकाइयाँ और विशेष किशोर पुलिस इकाइयाँ इन लिंक्स की गहन जांच करें, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और यदि मेटा की ओर से जानबूझकर अनदेखी या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी पोक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा चलाया जाए।यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि भविष्य में डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही केवल व्यावसायिक नहीं बल्कि सामाजिक और संवैधानिक भी होगी।

> पोक्सो अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत, किसी भी व्यक्ति या मध्यवर्ती संस्था (जैसे मेटा) को यदि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध या ऐसी सामग्री के प्रसार की जानकारी मिलती है, तो उसकी तुरंत रिपोर्ट करना अनिवार्य है। इस कानून के तहत बाल यौन शोषण सामग्री को देखना, संग्रहीत करना या उसका प्रसार करना एक गंभीर और गैर-जमानती आपराधिक कृत्य है एनएचआरसी ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों की साइबर क्राइम इकाइयाँ और विशेष किशोर पुलिस इकाइयाँ इन लिंक्स की गहन जांच करें, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और यदि मेटा की ओर से जानबूझकर अनदेखी या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी पोक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा चलाया जाए।

साथियों वर्तमान समय की एक और महत्वपूर्ण वास्तविकता यह है कि मनुष्य डिजिटल व्यवस्थाओं पर अभूतपूर्व रूप से निर्भर हो चुका है। परिवार, व्यापार, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा और प्रशासनिक कार्य अब मोबाइल एप्लीकेशनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संचालित होने लगे हैं।ऐसे में यदि किसीतकनीकी कारण से किसी उपयोगकर्ता का अकाउंट अचानक अंडर रिव्यू में चला जाए या बिना पूर्व सूचना के अस्थायी रूप से बंद हो जाए, तो उसका सामान्य जीवन प्रभावित हो जाता है।हाल ही में व्हाट्सएप द्वारा अनेक खातों को लगभग 24 घंटे के लिए समीक्षा के दायरे में रखने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा प्रणालियाँ अपराधियों को रोकने के साथ-साथ कभी-कभी निर्दोष उपयोगकर्ताओं को भी प्रभावित कर सकती हैं।

इससे यह प्रश्न और गंभीर हो जाता है कि डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करते समय नागरिकों के अधिकारों और तकनीकी त्रुटियों के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।दूसरी ओर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील सामग्री, फर्जी विज्ञापनों और बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार ने सरकारों और नियामक संस्थाओं को कठोर रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। खोजी रिपोर्टों में ऐसे आरोप सामने आए कि कुछ सशुल्क विज्ञापन अप्रत्यक्ष रूप से अवैध सामग्री तक पहुँचने का माध्यम बन रहे थे। यदि किसी डिजिटल विज्ञापन प्रणाली का उपयोग अपराधी संगठित रूप से कर सकें,तो यह केवल प्लेटफॉर्म की तकनीकी कमजोरी नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का प्रश्न बन जाता है। इसी कारण संभवतः इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा से तत्काल स्पष्टीकरण माँगा तथा ऐसे विज्ञापनों को हटाने के निर्देश दिए। यह संदेश स्पष्ट है कि डिजिटल विज्ञापन से होने वाला आर्थिक लाभ सामाजिक उत्तरदायित्व से ऊपर नहीं हो सकता।

साथियों, इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण आयाम बाल अधिकारों की सुरक्षा है।भारत का पॉक्सो अधिनियम, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों से संरक्षण हेतु विश्व के सबसे कठोर कानूनों में से एक माना जाता है।

फोकस

■ प्रो.आरके जैन 'अरिजीत'

दवाएँ बनीं जीवन की उम्मीद, लेकिन कीमतें बनीं सबसे बड़ी दीवार

समय ने ऐसी करवट ली है कि अब सबसे बड़ा डर बीमारी नहीं, बल्कि उसके उपचार का भारी बोझ बन चुका है। रोग का असर केवल शरीर तक सीमित रहता है, लेकिन दवाओं और इलाज का खर्च पूरे परिवार की आर्थिक शक्ति को भीतर तक चकनाचूर कर देता है। अस्पतालों की चौखट पर अब सिर्फ स्वास्थ्य की लड़ाई नहीं लड़ी जाती; वहाँ यह भी तय होता है कि किसकी आर्थिक क्षमता जीवन को बचा पाएगी और किसका जीवन पैसों की कमी के सामने हार मान लेगा। यही वह बिंदु है, जहाँ स्वास्थ्य व्यवस्था का वास्तविक स्वरूप निर्वस्त्र होकर सामने खड़ा दिखाई देता है।

भारतीय स्वास्थ्य परिदृश्य आज ऐसे दो संकटों का सामना कर रहा है, जिनकी प्रकृति भले अलग हो, पर दोनों एक ही नैतिक चुनौती को उजागर करते हैं। एक तरफ कैंसर है, जो अब न उम्र की सीमाओं में बँधा है, न किसी क्षेत्र या वर्ग तक सीमित। इसकी बढ़ती रफ्तार किसी मौन महामारी जैसी प्रतीत होती है। महानगरों से दूरस्थ गाँवों तक, युवाओं से बुजुर्गों तक, इसकी पकड़ निरंतर गहरी होती जा रही है। दूसरी तरफ दुर्लभ बीमारियाँ हैं, जो सुर्खियाँ नहीं बनतीं, लेकिन असंख्य परिवारों को वर्षों तक आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संघर्ष में जकड़े रखती हैं। रोग दोनों अलग हैं, किंतु उनकी सबसे बड़ी त्रासदी एक ही है-वनरक्षक दवाएँ आज भी सामान्य नागरिक की पहुँच से बहुत दूर हैं।

सरकारी नीतियों की सबसे बड़ी कसौटी संकट के समय सामने आती है, और यहीं उनका सबसे गहरा विरोधाभास भी उजागर होता है। हमारे निर्णय अक्सर बीमारी की गंभीरता नहीं, बल्कि मरीजों की संख्या देखकर लिए जाते हैं। कैंसर के बढ़ते मामलों ने कुछ जीवनरक्षक दवाओं को निःशुल्क या रियायती दर पर उपलब्ध कराने की राह अवश्य खोली है, लेकिन यह व्यवस्था अब भी सीमित है। दूसरी ओर, दुर्लभ बीमारियों में मरीज कम होने के कारण सहायता भी सीमित कर दी जाती है। मानो कम लोगों की पीड़ा का मूल्य भी कम हो, जबकि मृत्यु कभी बहुमत और अल्पमत में भेद नहीं करती।

इलाज की परीक्षा अस्पताल से बाहर शुरू होती है, जब दवाओं का खर्च वर्षों तक परिवार का पीछा नहीं छोड़ता। कैंसर का उपचार ऑपरेशन या कीमोथेरेपी तक सीमित नहीं रहता। बीमारी का पता देर से चलता है, उपचार लंबा खिंचता है और नई पीढ़ी की प्रभावी दवाएँ इतनी महँगी होती हैं कि मध्यम वर्ग कुछ महीनों में आर्थिक रूप से बिखर जाता है। दुर्लभ बीमारियों में संकट कठोर होता है। सरकारी नीति के तहत प्रति मरीज 50 लाख तक सहायता मिलती है। शुरुआती राहत मिलती है, लेकिन कई बीमारियों में सालाना खर्च अधिक और दवा की जरूरत लगातार रहती है। उपचार टूटते ही मरीज फिर संकट में खड़ा हो जाता है।

योजनाओं की प्रभावशीलता वहीं समाप्त होती है जहाँ उपचार का खर्च असाधारण हो जाता है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएँ सामान्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में उपयोगी हैं, पर अत्यधिक महँगी व लंबी अवधि की जीवनरक्षक दवाओं का खर्च नहीं उठा पातीं। दुर्लभ बीमारियों की सहायता योजनाएँ (प्रति मरीज 50 लाख तक) भी उपचार की पूरी अवधि कवर नहीं कर पातीं। कैंसर में नई प्रभावी दवाएँ निःशुल्क उपलब्धता से बाहर हैं। परिणाम–विज्ञान ने इलाज खोज लिया, व्यवस्था उसे लोगों तक नहीं पहुँचा सकी।

स्वास्थ्य नीति की अगली दिशा राहत नहीं, बल्कि अधिकार पर आधारित हो। अब उपचार की अवधारणा को अनुदान से अधिकार की ओर ले जाना होगा। पहली आवश्यकता है कि कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो। सहायता एकमुश्त अनुदान तक सीमित न रहे। बीमारी जितनी अवधि तक उपचार चाहती है, उतनी अवधि तक दवा उपलब्ध कराना व्यवस्था का दायित्व हो। निःशुल्क या अत्यंत रियायती दवा सरकारी कृपा नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार बने।

समाधान की अगली कड़ी दवाओं की खरीद और उत्पादन व्यवस्था में बदलाव से जुड़ी है। इस परिवर्तन का दूसरा आधार केंद्रीय स्तर पर दवाओं की थोक खरीद हो सकता है। सरकार यदि बड़े पैमाने पर खरीद करे, तो कीमतों पर नियंत्रण आसान होगा। इसके साथ ही आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं के घरेलू विनिर्माण को गति देनी होगी। जितनी शीघ्र इन दवाओं का उत्पादन देश में बढ़ेगा, उतनी ही जल्दी आयात पर निर्भरता घटेगी, कीमतें कम होंगी और आपूर्ति स्थिर होगी।

स्वास्थ्य व्यवस्था तभी प्रभावी मानी जाएगी, जब उपचार दवा से आगे बढ़कर पूरी चिकित्सा प्रक्रिया को समेटे। उपचार का अर्थ केवल दवा उपलब्ध करा देना नहीं है। समय पर निदान और विशेषज्ञ चिकित्सा संस्थान भी उतने ही आवश्यक हैं। इसलिए कैंसर के लिए क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। दुर्लभ बीमारियों के लिए अभी 15 उत्कृष्ट केंद्र चल रहे हैं, फिर भी हर बड़े राज्य में पूर्ण सुविधाओं वाले विशेष उपचार केंद्र बनाए जाएँ, ताकि मरीज केवल कुछ महानगरों पर निर्भर न रहें।

शिक्षा, रोजगार और सही मार्गदर्शन से ही बदलेंगे मुस्लिम युवाओं के हालात,नई सोच बनेगी देश की नई ताकत

विश्लेषण

■ - ओ. पी. गोले

पहचान से भविष्य तक की जंग!

देश की सबसे बड़ी युवा आबादी में शामिल मुस्लिम युवाओं की बदलती मानसिकता, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत विचार रखे हैं।आज का युवा सूचना और तकनीक के युग में जी रहा है, जहां स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने दुनिया को उसकी हथेली पर ला दिया है। इससे नए अवसर तो मिले हैं, लेकिन पहचान, सामाजिक स्वीकार्यता और भविष्य को लेकर नई चिंताएं भी सामने आई हैं।

उन्होंने कहा कि हर युवा सम्मान, पहचान और अपनेपन की तलाश में रहता है। यदि उसे परिवार, समाज और शिक्षकों का सहयोग मिलता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन उपेक्षा, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी उसे मानसिक तनाव और निराशा की ओर ले जा सकती है। मुस्लिम युवाओं के सामने आर्थिक चुनौतियों के साथ धार्मिक पहचान से जुड़े दबाव भी अतिरिक्त मानसिक बोझ पैदा करते हैं। ऐसे समय में सही मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाता है।

लेख में शिक्षा को बदलाव का सबसे मजबूत माध्यम बताया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल डिग्री नहीं देती, बल्कि तार्किक सोच, सही निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास भी विकसित करती है। छात्रवृत्तियां, पुस्तकालय, तकनीकी शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और व्यावसायिक प्रशिक्षण युवाओं के भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। इसके साथ ही कौशल विकास, प्रभावी संवाद, उद्यमशीलता और आधुनिक तकनीक से जुड़ाव को भी समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया गया है। युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षक, माता-पिता, सामाजिक संगठन और धार्मिक नेतृत्व की भूमिका बेहद अहम है। यदि युवा अपनी समस्याएं, सपने और चिंताएं खुलकर साझा कर सकें तो वे जीवन की कठिन परिस्थितियों का बेहतर सामना कर सकते हैं। खेल, साहित्य, कला, सांस्कृतिक गतिविधियां और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्र भी युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और समाज से जुड़ाव का अवसर प्रदान करते हैं।

निष्कर्ष- लेख का निष्कर्ष स्पष्ट करता है कि भारत के मुस्लिम युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और सकारात्मक माहौल उपलब्ध कराने की है।

बात आपके काम की...

उड़ान क्षेत्र को नई गति

आजकल आमतौर पर बच्चे टीवी देखते समय ही खाना खाते हैं जो सही नहीं है। बच्चों की इस आदत से खाना उनके शरीर को नहीं लगता और वे मोटापे सहित कई रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। ज्यादा टीवी देखने से बच्चों का शारीरिक विकास और मानसिक विकास दोनों की कम होता है, क्योंकि ऐसे बच्चे सारा दिन टीवी के सामने बैठे रहते है। वह न तो खेलने जाते है और पढ़ाई में भी पीछे हो जात हैं। इसलिए बच्चों की आदत को तत्काल रोकें। ई बार देखा जाता है कि जब बच्चें खाना नहीं खाते और नखरे करते है तो उनकी मां बच्चें को देखने के लिए टीवी लगा देती है ताकि वह खाना खा जाएं पर ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करके मां ही अपने बच्चे की आदत को खराब करती है।रात को खाना खाते समय बच्चों को टीवी देखने से रोकें क्योंकि यह ऐसा समय होता हैं जब सारा परिवार एक साथ बैठ कर खाना खाता है, दिन भर की बातें एक-दुसरे का साथ साझा करते हैं।

आप भी आमंत्रित | सम्पादकीय पेज पर आप भी आमंत्रित हैं। आप अपने विचार इस पेज के जरिए अभिव्यक्त कर सकते हैं। अपने विचार-लेख, रचनाएं, पत्र हमें इस ईमेल पर भेजें- ajaybharatmorena@gmail.com

संपादकीय पेज पर प्रकाशित सामग्री पर संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सावन का दूसरा सोमवार: शिवमय हुआ हर कोना, शिव मंदिरों में लगा रहा भक्तों का तांता

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

सावन के दूसरे सोमवार को ग्वालियर के शिवालय 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठे। भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए तड़के से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शहर के प्राचीन कोटेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और लोगों ने घंटों इंतजार कर दर्शन किए।

मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ को जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित किए। भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। बाबा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे पहुंचे। मंदिर परिसर में दिनभर भक्ति का माहौल रहा। श्रद्धालु 'हर-हर महादेव' के जयकारे लगाते नजर आए।

मंदिर की दीवारों पर स्थापना से जुड़े प्रमाण

कोटेश्वर महादेव मंदिर ग्वालियर के प्राचीन और प्रमुख आस्था केंद्रों में से एक है। मंदिर का इतिहास सिंधिया राजवंश से जुड़ा हुआ है। राजघराने द्वारा इसकी स्थापना कराए जाने के प्रमाण मंदिर की दीवारों पर दर्ज हैं। सिंधिया राजपरिवार की इस मंदिर में गहरी आस्था रही है। परिवार के सदस्य आज भी अवसर मिलने पर यहां पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं।

आसपास के क्षेत्रों से भी पहुंचे श्रद्धालु

धार्मिक आस्था के साथ ऐतिहासिक महत्व होने के कारण कोटेश्वर महादेव मंदिर ग्वालियर की पहचान से भी जुड़ा है। सावन महीने में ग्वालियर के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा के लिए यहां पहुंचते हैं।

शिव अभिषेक

...इन कैमरा

मुरैना। सिंहोनिया स्थित प्रसिद्ध ककनमठ मंदिर में स्थापित शिवलिंग पुरातात्विक महत्व के साथ-साथ वर्षों से शिवभक्तों की गहन आस्था का केन्द्र बना हुआ है। किवदंतियों एवं पुरातत्वविदों के मुताविक 11 वीं सदी के इस मंदिर का निर्माण कच्छपघात राजा कीर्तिदेव सिंह की पत्नी रानी ककनावती के लिए कराया गया था। वे भगवान शिव की अनन्य भक्त थीं और राजा ने रानी की ऐसी आस्था का ख्याल रखते हुए ही ककनमठ मंदिर में शिवलिंग स्थापित करवाया था। किवदंतिया, कहावतें और मान्यताएं तो बहुत सी हैं पर श्रावण मास के सोमवार को दैनिक अजय भारत समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक अजय दीक्षित एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ललिता दीक्षित ने ककनमठ मंदिर पहुंच कर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक पूर्ण श्रद्धा, आस्था एवं भक्तिभाव से विधि विधान के साथ किया। ■ अजयभारत

मध्य प्रदेश के शिल्पकारों को मिला ओपन मार्केट सीएम डॉ. मोहन यादव ने लॉन्च किए 2 पोर्टल

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मध्य प्रदेश के ढाई लाख बुनकरों और शिल्पकारों की कला के लिए देश भर के बाजार का रास्ता खुल गया है। प्रदेश के शिल्पकार और बुनकर अपना प्रोडक्ट अब देश भर में बेच सकेंगे। प्रदेश सरकार ने मध्य प्रदेश के शिल्पकारों के उत्पाद के लिए एक नया ओडीओपी मार्ट लॉन्च किया है। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में इस पोर्टल की शुरूआत की है। शुरूआत में देश के 16 हजार लोकेशन पर इस पोर्टल के माध्यम से सामान की डिलेवरी की जा सकेगी, इसके लिए सिर्फ 1 फीसदी कमीशन देना होगा। इसके अलावा राज्य सरकार ने मृगनयनी का ई कॉमर्स पोर्टल भी शुरू किया है। देश भर में मृगनयनी के 38 स्थानों पर शो रूम हैं।

मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कहा 'मध्य प्रदेश की विरासत सांस्कृतिक और ऐतिहासिक तो है ही, लेकिन किसानों की मेहनत जिसमें वह कपास से लेकर कई फसल उगाते हैं। इसके बाद बुनकर इन कपास से कई उत्कृष्ट कपड़ा बनाते हैं। शिल्पियों को ईश्वर ने गजब का हुनर दिया है। उनकी कला का नमूना खजुराहो की शिल्पकारी में दिखाई देता है। ओडीओपी उत्पाद को ग्लोबल मार्केट उपलब्ध कराने के लिए मृगनयनी और ओडीओपी मार्ट की शुरूआत मध्य प्रदेश की लंबी छलांग है।

इस पोर्टल को देश में पहला स्थान भी मिला है। सीएम ने कहा कि वैसे तो मध्य प्रदेश का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन करीब 300 सौ साल पहले देवी अहिल्याबाई ने न सिर्फ महेश्वर के शिल्प को संरक्षण दिया, बल्कि महेश्वर की साड़ी के रूप में बुनकरों को नई पहचान दी। इस मामले में चंदेरी वाले भी कम नहीं पड़ते। ओडीओपी मार्ट में शुरूआत में चंदेरी, महेश्वर की साड़ी, धार का बटिक, ब्लॉक पेंटिंग जैसे 460 उत्पाद पोर्टल पर उपलब्ध हैं। 15 हजार से ज्यादा लोकेशन पर इन सामानों की डिलेवरी की जाएगी। उज्जैन में हाल ही में हैंडलूम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू किया गया है।'

हर सामान में दिखेगी शिल्पकारों की कहानी

इसके पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि 'ई कॉमर्स पोर्टल पर बिकने वाले बुनकरों और शिल्पकारों के सामान के साथ उस सामान की कहानी भी बताई जाएगी। इसके लिए सभी सामानों के साथ क्यू आर कोर्ड भी लगाया जाएगा, ताकि लोग समझ सकें कि इसे किस तरह और कितनी मेहनत के साथ कहां तैयार किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से देश के 16 हजार लोकेशन को जोड़ा गया है।

उज्जैन में बन रहा यूनिटी मॉल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कई क्षेत्रों में एक साथ काम कर रही है। औद्योगिक क्षेत्र को लगातार आगे बढ़ाया रहा है। इसके अलावा भोपाल इंदौर मैट्रोपॉलिटन सिटी विकसित की जा रही है। 6 जिलों को मिलकर इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन तैया किया जा रहा है, इसमें 3 एयरपोर्ट, 6 जंक्शन, 8 औद्योगिक क्षेत्र तैयार किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में यूनिटी मॉल भी बनाया जा रहा है। यह मॉल प्रदेश के बुनकरों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों के लिए बेहद मददगार साबित होगी। केन्द्र सरकार की वन नेशन वन प्रोडक्ट योजना के तहत इसे तैयार किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर तीन कर संग्रहकों को नोटिस जारी

ग्वालियर। विगत दिनों नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय द्वारा ली गई राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक से तीन राजस्व कर संग्रहक बिना अनुमति लिए अनुपस्थित रहे, इसके साथ ही इन तीनों कर संग्रहकों ने कम वसूली भी की है। इसके चलते नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने तीनों कर संग्रहकों को कारण बताओं नोटिस जारी किया है।

मध्य प्रदेश पुलिस में साढ़े 4 हजार पदों पर होगी भर्ती, सीएम डॉ. मोहन यादव ने किए कई ऐलान

भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित पुलिस विभाग के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नए भर्ती पुलिसकर्मियों को दिए ज्वाइंग लेटर

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मध्य प्रदेश में अगले दो साल में पुलिस के 4 हजार 500 से ज्यादा पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा प्रदेश में बैगा, सहारिया और भारिया जनजाति की अलग से बटालियन बनाई जाएगी। भोपाल के रवीन्द्र भवन में आयोजित पुलिस विभाग के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने इसका ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने पुलिस भर्ती के लिए अलग से पुलिस भर्ती एवं चयन बोर्ड को लेकर भी बयान दिया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने नए भर्ती किए गए पुलिसकर्मियों को ज्वाइंग लेटर और प्रमोशन लेटर सौंपने के बाद कहा 'आम धारणा है कि पुलिस वाले हंसते नहीं हैं, लेकिन आपके चेहरे की खुशी बता रही है कि यह आपके जिंदगी का सबसे अच्छा मौका है।' पुलिसकर्मियों की ताली सुनकर मुख्यमंत्री ने कहा कि डंडे बजाने वाले ताली भी बहुत अच्छी बजाते हैं। अहसास होता है कि सच में आपके बदन पर यह खाकी मध्य प्रदेश की जनता का विश्वास का प्रतीक है।

हर साल होगी बंपर भर्ती

किसी फिल्म का डायलॉग है कि पुलिस की इस वर्दी में आग, आंधी, पानी का कोई असर नहीं होता। इसे पहनकर व्यक्ति शेर बन जाता है। इसका अहसास उसी को होता है, जो इसके पहनता है। हमारी पुलिस देश सेवा, जन सेवा का स्लोगन लेकर हर तरह की परिस्थिति में देश भर में अपनी पहचान सबसे अच्छी साबित करती है।'

मुख्यमंत्री ने किया ऐलान, भरे जाएंगे खाली पद

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पदोन्नति का रास्ता खुला है। अभी तक 28 हजार से ज्यादा अधिकारी, कर्मचारी पदोन्नत हो चुके हैं। सीएम ने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों को जब भी जो काम सौंपा गया, पुलिस ने उसे पूरा करके दिखाया। सीएम ने कहा कि साल 2023 से अभी तक पुलिस में 14 हजार 704 से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन हो चुका है। पुलिस बैंड और एफएसएल की भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। 9751 से ज्यादा पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा साढ़े 4 हजार से ज्यादा पद बचते हैं। मैंने यहीं मंच पर डीजीपी से कहा है कि आप इसमें सीधी भर्ती के आरक्षक, सब इंस्पेक्टर और इसके अलावा और भी कोई पद हों और उसे आगे बढ़ाएं। अगले दो साल में सभी पद भर दिए जाएंगे। आप अपना काम अच्छे से करें। हम अपने काम अच्छे से करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस चयन बोर्ड के बारे में कहा, इसमें थोड़ा सा पेंच है, लेकिन हम आगे बढ़ते जा रहे हैं।

एक पेड़ मां के नाम स्व. श्रीमती बिट्टी देवी सिकरवार की याद में हुआ वृक्षारोपण

परिवारजनों ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी निभाई परंपरा, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मुरैना। अजयभारत न्यूज

पर्यावरण संरक्षण और मातृ ऋण को समर्पित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अन्तर्गत आज चिन्नोनी चंबल में स्व. श्रीमती बिट्टी देवी ग्रामीण जन कल्याण समिति द्वारा भावुक वातावरण में वृक्षारोपण किया गया।

यह वृक्षारोपण स्व. श्रीमती बिट्टी देवी सिकरवार, पत्नी स्व. श्री नारायण सिंह सिकरवार की स्मृति में उनके परिजनों द्वारा किया गया। सिकरवार परिवार द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उनकी याद में पौधे लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मां हमें जीवन देती है उसी तरह पेड़ धरती को जीवन देते हैं

'मां के नाम पर लगाया गया हर पेड़ उनकी याद को हरा-भरा रखेगा। जिस तरह मां हमें जीवन देती है, उसी तरह पेड़ धरती को जीवन देते हैं। यह हमारी श्रद्धांजलि भी है और आने वाली पीढ़ियों के लिए संदेश भी।'

आनंद त्रिवेदी अध्यक्ष श्रीमती बिट्टी बाई ग्रामीण जन कल्याण समिति कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल से न केवल पर्यावरण को लाभ मिलेगा बल्कि लोगों में अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान की भावना भी जागृत होगी।

डॉ. देव गर्ग दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष के द्वारा हुए सम्मानित

मुरैना। अजयभारत न्यूज

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता एक दिन के प्रवास पर मुरैना में थीं, गत रविवार को श्रीमती लता गुप्ता के द्वारा शहर के प्रसिद्ध दंत चिकित्सक एवं मैक्सिलो फेशियल सर्जन डॉ देव कुमार गर्ग का सम्मान किया गया। डॉ. देव गर्ग पिछले 3 वर्ष से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका में हैं। और कई सामाजिक संगठनों में पदाधिकारी भी हैं। डॉक्टर देव गर्ग वर्तमान में मुरैना। जिले की सेवा भारती के उपाध्यक्ष पद पर, अपना घर आश्रम समिति के मेडिकल डायरेक्टर।शारदा शिक्षा समिति के सदस्य एवं जिला दिशा समिति के सदस्य रोटरी क्लब के सदस्य एवं सरस्वती आरोग्य धाम के धाम के संयोजक के रूप में सामाजिक कार्यों में हमेशा इनकी भागीदारी रहती है।

समाज सेवा में भी है खास रूचि

अपने खुद के वेदान्त डेंटल हॉस्पिटल के संचालन के साथ ही हमेशा समाज सेवा का कार्यभार भी देखते हैं। इन्हीं समाज सेवा के कार्यों को देखते हुए दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता के द्वारा डॉ देव कुमार गर्ग का शॉल श्री फल से सम्मान किया गया।

खास खबर

सिंघम एसएसपी धर्मवीर भी नेक इंसान

बच्ची की जान बचाने दिया अपना रेयर ब्लड

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

कहने को भापुसे के वरिष्ठ अधिकारी हैं, लेकिन है बिल्कुल आम सहज इंसान, मदद को हमेशा तैयार। जी हां हम बात कर रहे है ग्वालियर के बेहद संवेदनशील, जाबांज और अपराधियों के लिये बेहद कड़क आईपीएस अफसर ग्वालियर के एसएसपी धर्मवीर सिंह की। धर्मवीर सिंह की यह जानकारी आप जब पढ़ रहे होंगे तो आपकी आंखों से भी उनकी सेवा के प्रति खुशी के आंसू स्वयं निकल पड़ेंगे। आप भी उनकी सराहना किये बिना नहीं रह सकेंगे।

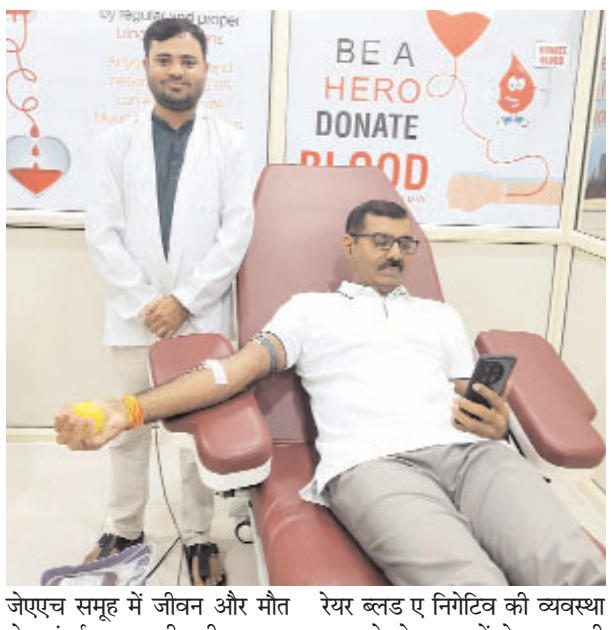

मूलतः मथुरा के रहने वाले ग्वालियर के एसएसपी धर्मवीर सिंह में भी बृज क्षेत्र के लोगों की तरह अपनापन और सेवाभाव हैं। अब गत रात्रि की घटना जान लीजिये जब एक 16 वर्ष की बच्ची जेएएच समूह में जीवन और मौत से संघर्ष कर रही थी उसका डायलेसिस भी होना था, लेकिन डाक्टरों के सामने दिक्कत थी कि रेयर ब्लड ए निगेटिव की व्यवस्था कहा से हो। डाक्टरों ने प्रयास भी किये लेकिन ए निगेटिव ब्लड कहीं मिला नहीं। लेकिन इसी बीच मेडीकल कालेज के डीन डा. आरकेएस धाकड़ व एक अन्य चिकित्सक की बात हुई तो पता चला कि एसएसपी धर्मवीर सिंह का ब्लड ग्रुप भी ए निगेटिव है।

इसके बाद चिकित्सकों ने हिम्मत जुटाकर एसएसपी धर्मवीर सिंह से बात की तो धर्मवीर सिंह बिना समय गंवाये हुये तुरंत ब्लड बैंक पहुंचे और अपना ब्लड दिया, ताकि 16 वर्षीय बच्ची का इलाज तुरंत शुरू किया जा सकें। एसएसपी धर्मवीर सिंह के एक बच्ची के लिये अपन ब्लड देने की चर्चा पूरे शहर व सोशल मीडिया पर भी होने लगी है। लोग उनकी जीभर कर प्रशंसा कर रहे है और कह रहे है कि अफसर ऐसे नेकदिल हो जाये तो सारी समस्या ही खत्म हो जाये। इधर बच्ची के माता पिता भी एसएसपी धर्मवीर सिंह को दुआयें दे रहे हैं।

मैंने इंसानियत का फर्ज निभाया: धर्मवीर सिंह

वहीं एसएसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि उन्होंने केवल इंसानियत का फर्ज निभाया है। जब मुझे पता चला कि बच्ची के लिये तुरंत ए निगेटिव ग्रुप चाहिये, रात में और कहीं मिलता नहीं, इसलिये मैंने बिना देरी किये अपना ब्लड देने का निर्णय लिया।

धर्मवीर सिंह नेक दिल अफसर: डीन डा. धाकड़

मेडीकल कालेज के डीन डा. आरकेएस धाकड़ ने कहा कि एसएसपी धर्मवीर सिंह ने कमाल कर दिया। वह स्वयं पहुंच गये ब्लड देने। वह नहीं आते तो बच्ची के इलाज में देरी होती। मेरा कहना है कि धर्मवीर सिंह जैसे आईपीएस अफसर की प्रेरणा से आम आदमी भी अब रक्तदान के प्रति जागरूक होंगे।

आनंद धाम वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों का सम्मान

मुरैना।अजयभारत न्यूज़

सेवा और सम्मान का अनूठा उदाहरण रविवार को आनंद धाम वृद्ध आश्रम में देखने को मिला।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता के मुरैना आगमन पर रोटरी क्लब मुरैना, सेवा भारती मुरैना और भारत विकास परिषद मुरैना द्वारा संयुक्त रूप से भव्य सम्मान समारोह एवं वृद्ध जनों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आश्रम पहुंचने पर श्रीमती लता गुप्ता का आयोजक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद आश्रम में रह रहे वृद्ध जनों का माला पहनाकर, मिष्ठान देकर सम्मान किया तथा उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया। पूरे वातावरण में अपनत्व और अपार खुशी का माहौल था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती लता गुप्ता ने भावुक होकर कहा 'वृद्धजन हमारे समाज की धरोहर हैं। उनके अनुभव और आशीर्वाद ही हमारी असली पूंजी हैं। दिल्ली महिला आयोग वृद्ध महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए लगातार काम कर रहा है। हमें अपने माता-पिता और बुजुर्गों की सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म मानना चाहिए।

उन्होंने आश्रम प्रबंधन सेवा भारती की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की संस्थाएं समाज के लिए वरदान हैं। इस अवसर पर भारत विकास परिषद मुरैना की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पवन शर्मा, सचिव रजनी राम गुप्ता, सेवा भारती के अध्यक्ष अतुल महेश्वरी, रोटरी क्लब के अध्यक्ष तरुण शर्मा, अतुल माहेश्वरी श्रीजी ,आनंद त्रिवेदी पत्रकार, नितेश माहेश्वरी, गौरव मोदी, बालकृष्ण शर्मा, तरुण शर्मा, गिरिराज गुप्ता, श्रीमती निधि गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत में सभी बुजुर्गों की आंखों में सम्मान पाकर आई खुशी देखते ही बनती थी।

जनविश्वास अभियान अंतर्गत एण्डोरी शिविर में होगा उद्यमी संवाद, मिलेगी मेडिकल बोर्ड की सुविधा

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की हुई समीक्षा, हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत प्रतिदिन आयोजित होंगी गतिविधियां

समय-सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य लंबित विषयों की समीक्षा, कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक का आयोजन

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

कलेक्टर ने बैठक में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य है कि क्षेत्र की सभी सीएम हेल्पलाइन और अन्य शिकायतें संतुष्टिपूर्वक बंद की जाएं, लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत कोई भी आवेदन समय सीमा बाह्य नहीं हो और क्षेत्र का कोई भी पात्र हितग्राही हितलाभ से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि आगामी 14 अगस्त को एण्डोरी में आयोजित होने वाले दूसरे शिविर के लिए सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि एण्डोरी शिविर में उद्यमी संवाद आयोजित किया जाए, जिसमें क्षेत्र के उद्यमियों की अनापत्ति प्रमाणन और अन्य समस्याओं का निराकरण हो सके। कलेक्टर ने आगामी शिविर में मेडिकल बोर्ड बैठाने के निर्देश दिए जिससे मौके पर ही यूडीआईडी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी विभाग संवेदनशीलता से काम करें जिससे हितलाभ पंजीयन के लिए किसी भी हितग्राही को भटकना नहीं पड़े। कलेक्टर ने अभियान अंतर्गत गोरमी में लगाए गए पहले शिविर के संबंध में निर्देश दिए कि गोरमी सेक्टर की सभी समस्याओं का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, सेक्टर की शिकायतों में कमी लाई जाए और शिविर के सभी निरीक्षणकर्ता अधिकारी निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के संबंध में परेड ग्राउंड, बैठक, पेयजल, प्रकाश, उद्घोषक, मिष्ठान, इत्यादि व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि समारोह स्थल पर जलभराव की स्थिति नहीं बने, फूल, गमले, गुब्बारे और अन्य सजावट सामग्री की व्यवस्था समय से कर ली जाए और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को अंतिम रूप दे दिया जाए। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा के साथ ध्वजारोहण किया जाए और शासकीय भवनों में रात में प्रकाश व्यवस्था की जाए। उन्होंने स्वतंत्रता व लोकतंत्र सेनानी और शहीदों के परिजनों को सम्मानपूर्ण आमंत्रित करने तथा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत प्रतिदिन जागरूकता रैली और गतिविधियां आयोजित की जाएं, जिसमें स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों, नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों की सहभागिता हो। आगामी 13 अगस्त को जिला मुख्यालय में हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देशभक्ति की भावना के साथ सभी शासकीय सेवक हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत अपने निवास पर तिरंगा लगाएं और आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करें। आजीविका मिशन अंतर्गत स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए तिरंगे सभी जनपद और जिला पंचायत में विक्रय किए जा रहें हैं, जिसे विभाग आवश्यकता अनुसार क्रय कर सकते हैं।

कलेक्टर ने अनअटेंडेड सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर एल-1 अधिकारियों को नोटिस जारी करने, सीएम हेल्पलाइन शिकायतें विशेषकर 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतें परीक्षण कर संतुष्टिपूर्ण बंद करने, समय सीमा बाह्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों पर शास्ती लगाने और न्यायालय प्रकरणों में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों और छात्रावासों में निरीक्षण के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए, और विभागीय अधिकारी भी अपनी अधीनस्थ संस्थाओं का निरीक्षण निरंतर करते रहें। उन्होंने बैठक में समय सीमा पत्रकों की विस्तृत समीक्षा भी की।

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्माकुमारी आश्रम मालनपुर के द्वारा बिजली विभाग बैंक, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, गांव गांव में लोगों से नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा कराई

भिण्ड। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ब्रह्माकुमारी आश्रम अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू राजस्थान के द्वारा 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा कराने के संकल्प लिए गए। जिसमें ब्रह्माकुमारी आश्रम मालनपुर के द्वारा जगह जगह पर बिजली विभाग बैंक, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, गांव गांव में लोगों से नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा कराई जा रही है। जिसके अंतर्गत कई कार्यक्रम किए गए और लोगों ने बढ़-चढ़कर इसमें भाग लिया। यह अभियान 20 अगस्त तक चलाए जाने वाला है। अभियान में ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन, खुशबू बहन, सृष्टि बहन, नीलम बहन, महेश भाई, सुनील भाई सभी मिलकर के जगह-जगह पर नशा मुक्त भारत अभियान के लिए संकल्प दिलवा रहे हैं और सीधा हाथ आगे करके प्रतिज्ञा करा रहे हैं, कि हम अपने जीवन को नशा मुक्त बनाएंगे और लोगों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही साथ हमारा शहर हरा भरा रहे उसके लिए वृक्षारोपण भी करेंगे। बुजुर्गों का सम्मान करेंगे और सबके साथ स्नेह से रहेंगे। इस प्रकार से ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा मानव कल्याण का कार्य निरंतर चल रहा है।

कीचड़युक्त सड़कों से ग्रामीण परेशान

शीघ्र सीसी रोड निर्माण कराने की उठी मांग

भिण्ड। लहार जनपद के अंतर्गत आने वाले ग्राम बीजपुर में मुख्य सड़कों और गलियों की बदहाली ग्रामीणों के लिए भारी मुसीबत बनी हुई है। गाँव में सीमेंट कंक्रीट सीसी रोड का निर्माण न होने के कारण ग्रामीणों को आए दिन आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। रास्तों में जलभराव और गहरा कीचड़ जम जाने से पैदल चलना तो दूर, दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की आवाजाही भी ठप पड़ जाती है। **स्कूली बच्चों और मरीजों पर आफतः** सड़क की दयनीय स्थिति का सबसे बुरा असर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों पर पड़ रहा है इस कीचड़ भरे रास्तों के कारण बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते। गाँव मे किसी ग्रामीण के बीमार होने पर एम्बुलेंस या वाहन गाँव के अंदर तक नहीं पहुंच पाते, जिससे मरीजों को अस्पताल ले जाने में काफी दिक्कत होती है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या की ओर ग्राम पंचायत एवं संबंधित जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियो दे मांग की है कि जल्द से जल्द ग्राम बीजपुर का निरीक्षण करें और मुख्य रास्तों एवं गलियों में शीघ्र सीसी रोड का निर्माण कार्य स्वीकृत करें, ताकि गाँव के लोगों को इस रोज-रोज की नारकीय स्थिति से मुक्ति मिल सके।

तिरंगे का सम्मान और राष्ट्रभक्ति हर नागरिक का कर्तव्य : सीईओ वीरसिंह चौहान

भिण्ड। अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कुंअरगढ़ एवं नवांकुर संस्था प्रकर्ष फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान तथा ग्राम पंचायत के संयोजन में सामुदायिक भवन कुंअरगढ़ में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वीरसिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने तिरंगा फहराकर एवं उपस्थित जनसमुदाय के साथ हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की।

कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री वीरसिंह चौहान ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छता गतिविधि में सहभागिता करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री वीरसिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रभक्ति केवल किसी एक दिवस तक सीमित रहने वाली भावना नहीं है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन और व्यवहार का हिस्सा होनी चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देश की एकता, अखंडता, त्याग, शांति और समृद्धि का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक को तिरंगे के सम्मान और उसकी गरिमा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

इस दौरान कार्यक्रम में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को भी विशेष रूप से जोड़ा गया। जिला पंचायत सीईओ श्री वीरसिंह चौहान ने पौधरोपण करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जिस प्रकार मां हमारे जीवन को पोषण और सुरक्षा देती है, उसी प्रकार वृक्ष भी हमें जीवनदायी वायु, छाया और पर्यावरणीय संतुलन प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि केवल पौधरोपण करने तक सीमित न रहें, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लें। गांव में अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं और सामुदायिक स्तर पर उनके संरक्षण की व्यवस्था की जाए। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता गतिविधि आयोजित कर ग्रामीणों को स्वच्छ और सुंदर गांव बनाने का संदेश दिया गया। जिला पंचायत सीईओ सहित उपस्थित लोगों ने स्वच्छता गतिविधि में सहभागिता की।

जिले में स्वतंत्रता दिवस पर शुष्क दिवस घोषित

भिण्ड । कलेक्टर भिण्ड ने म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये 15 अगस्त 2026 (स्वतंत्रता दिवस) के अवसर पर जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों तथा एफ.एल.-3 होटलबारों एवं एफ.एल.-9, 9ए, डी.-1, सी.एस.-1बी, एवं बी-3 ईकाइयों एवं स्टोरेज मद्यभाण्डागार को सम्पूर्ण दिवस पूर्णतः बन्द रखा जाना तथा मदिरा की बिक्री निषिद्ध रखा जाना आदेशित किया है। उन्होंने आदेश जारी कर कहा है कि मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) दिनांक 20 फरवरी 2026 की कण्डिका-47.1 के अनुसार दिनांक 15 अगस्त 2026 (स्वतंत्रता दिवस) को शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

सैनिक की अभिलाषा, सदा विजय पताका लहराऐ या लिपट तिरंगे में आए : कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा

इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाईजेशन ने तात्याटोपे ग्राउण्ड से निकाली हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् का आगाज

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

इन्डियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन ने शहीद तात्या टोपे ग्राउंड पर हर घर तिरंगा और वंदे मातरम, का आगाज किया। इस देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम में इन्डियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व सैनिकों ने नेशन फर्स्ट की भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदों को श्रद्धांजलि के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर चन्द्र प्रकाश शर्मा ने कहा कि 17 अगस्त तक पूरे देश में राष्ट्रभक्ति का वातावरण बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। शिवपुरी जिला एक सैनिक बाहुल्य क्षेत्र है। यहां के असंख्य सैनिक देश सेवा में लगे हुए हैं। हर वार्ड, मोहल्ले, गांव में हर घर तिरंगा अभियान के तहत हमारे संगठन के सदस्य सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। हमारे संगठन का उद्देश्य देश के युवाओं में राष्ट्रभक्ति, देश- सेवा, राष्ट्र के प्रति समर्पण, राष्ट्र प्रथम की भावना का संचार करना है। युवाओं को सेना की ओर आकर्षित करना है।

इस अवसर पर इन्डियन वेटरन्स संगठन के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कोऑर्डिनेटर कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा ने सभी पूर्व सैनिकों और देशवासियों से आवाहन किया कि हर नागरिक अपना कर्तव्य निभाऐं।तिरंगे की आन, बान, शान के लिए हमारे जवान बलिदान देते रहते हैं। हम सभी शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते है। अगर हम शहीदों को याद करेंगे तो हम सदैव राष्ट्र के लिए त्याग और बलिदान के लिए तैयार रहेंगे। इस अवसर पर कैप्टन चन्द्र प्रकाश शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती प्रभा शर्मा, युवा अध्यक्ष तरुण शर्मा, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष विशाल जोशी, पिछोर तहसील अध्यक्ष राम प्रकाश केवट, करेरा तहसील अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, सूबेदार द्वारिका प्रसाद रावत, उपाध्यक्ष गीता पवार, कोऑर्डिनेटर बृजेश राठौर, वेटरन कैलाश सिंह जादौन, वेटरन हरगोविंद ओझा, वेटरन ताज भान सिंह परमार, शिवपुरी तहसील महासचिव मनोज दीक्षित, जिला महासचिव प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे। संचालक कैलाश सिंह जादौन ने किया। महेंद्र सिंह रावत ने आभार व्यक्त किया।

झा-ओझा समाज युवक मंडल की कोलारस में सामाजिक बैठक आयोजित, हुई नियुक्तियां

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

जिले की कोलारस तहसील स्तर पर संगठन द्वारा एक महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पमाला अर्पण एवं मंत्रोच्चारके साथ किया गया। बैठक की अध्यक्षता मुन्नालाल ओझा एवं रामसखी ओझा द्वारा की गई। कोलारस क्षेत्र के समाज बंधुओं की सहमति से कोलारस ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इन सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल 3 माह का रहेगा जिसमें मुख्य रूप से महेश कुमार झा कार्यकारी अध्यक्ष, मुन्ना लाल ओझा संरक्षक एवं रामसुखी ओझा संरक्षक, कमलेश ओझा उपाध्यक्ष, अरविंद ओझा राई उपाध्यक्ष, शिवम ओझा उपाध्यक्ष मनोनीत हुए। इस अवसर पर उपस्थित सामाजिक सदस्यों में कल्याण सिंह ओझा, धर्मेन्द्र ओझा, शिवम ओझा राई, संतोष ओझा, रामू ओझा, ललित ओझा, राकेश ओझा, दम्मू ओझा सहित क्षेत्र के अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारीगणों में संगठन के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे जिसमें आर.डी. झा -संरक्षक, हरगोविंद ओझा (सेवानिवृत्त भारतीय सेना) संरक्षक, रामगोपाल ओझा (शिक्षक), कन्हैयालाल झा (सेवानिवृत विद्युत् विभाग) संरक्षक, डॉ. पहलवान सिंह ओझा (संरक्षक), कैलाश ओझा (सदस्य), राज ओझा प्रदेश अध्यक्ष, नंदकिशोर ओझा प्रदेश कोषाध्यक्ष, एडवोकेट कृष्णकांत झा प्रदेश सचिव, रविंद्र ओझा (प्रदेश संगठन मंत्री), दीपू ओझा (सदस्य) आदि ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

प्रजापति समाज के चल समारोह का भाजपा नेता दिलीप मुदगल ने किया स्वागत

शिवपुरी। पोहरी विधानसभा क्षेत्र के नगर वैराड़ में कुम्हार प्रजापति समाज द्वारा राजा दक्ष प्रजापति महाराज का चल समारोह निकाला गया जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुद्गल ने चल समारोह पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और सभी समाज बंधुओं माता बहिनों का फ्रूटी बांटकर भव्य स्वागत किया। सभी समाज बंधुओं ने मुदगल जी की प्रशंसा की। विगत वर्षों से निरंतर क्षेत्र में सक्रिय होकर विभिन्न सामाजिक संगठनों में सहभागिता कर सभी समाजों के चल समारोहों का स्वागत करते हैं विभिन्न ग्रामों में साड़ी वितरण का कार्य निरंतर चल रहा है, जल संकट को देखते हुए बैराड़ नगर में टैंकरों के माध्यम से हर घर में पानी पहुंचाना विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर 10 विशाल सामूहिक भंडारे किये। सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलनों में पहुंचकर सभी कन्याओं को उपहार स्वरूप डबल बेड कंबल भेंट करते हैं, 20 वर्षों से निरंतर क्षेत्र में क्रिकेट खेल प्रेमियों के माध्यम से क्रिकेट टूर्नामेंटों का आयोजन कराना क्रिकेट किट प्रदान करना, प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार देना सहित गरीब निर्धन व्यक्तियों की सेवा भाव से मदद करना शामिल है। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य नागरिक एवं समाज बंधु उपस्थित हुए।

नगरेला की गौशाला में 181 गौ माताओं को मिला स्वच्छ पेयजल, नवांकुर संस्था ने कराया बोरवेल व मोटर पंप

शिवपुरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था ग्राम विकास गौशाला समिति जंगीपुर द्वारा ग्राम पंचायत नगरेला स्थित रूपा बाई गौशाला फाउंडेशन पहुंचकर गौशाला में रह रही 181 गौ माताओं की सुध ली गई। निरीक्षण के दौरान गौशाला में स्वच्छ पेयजल की समस्या सामने आई। जल स्रोतों का पानी दूषित एवं गंदा होने के कारण गौ माताओं को परेशानी हो रही थी। गौ सेवा की भावना से संस्था एवं समाजसेवियों द्वारा तत्काल पहल करते हुए गौशाला में बोरवेल, ट्यूबवेल, मोटर पंप सहित आवश्यक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई गई, जिससे गौ माताओं को अब स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। संस्था के इस प्रयास से गौशाला में जल प्रबंधन की समस्या का समाधान होने की उम्मीद है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की टीम से अमर सिंह यादव, कीरत यादव, ओमकार लोधी, करण केवट, संतोष सिंह यादव, केपी सिंह यादव, सुनीता रजक, श्रीमती सुधा देवी यादव एवं श्री देवी शंकर शर्मा सहित अन्य सेवाभावी लोग उपस्थित रहे। संस्था के सदस्यों ने कहा कि गौ सेवा ही ईश्वर सेवा है और गौ माताओं को स्वच्छ पानी एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जहां भी दुर्घटना या अन्य कारणों से गौ माता पीड़ित अवस्था में मिलती है, वहां उनकी सहायता के लिए संस्था की टीम तत्पर रहती है। 24 घंटे गौ सेवा एवं घायल गौ माताओं की सहायता के लिए संपर्क नंबर 9691121475 जारी किया गया है। संस्था ने आमजन से भी गौ सेवा के इस पुनीत कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

आर.के.मेमोरियल चैक एकेडमी की शतरंज प्रतियोगिता 16 अगस्त को

शिवपुरी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष पर आर. के. मेमोरियल चेस एकेडमी, शिवपुरी द्वारा एक शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 16 अगस्त सुबह 11 बजे से शुरू होगी। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में आर.के.मेमोरियल चैक एकेडमी के संचालक पवन वशिष्ठ ने बताया कि स्विस लीग पर आधारित 5 राउंड में खेली जाने वाली यह प्रतियोगिता का टाइम कंट्रोल 15+5 मिनट का होगा। इस टूर्नामेंट में खिलाड़ी अन्य जिलों से भी आ रहे हैं। इसमें दो वर्गों अंडर-10 और अंडर-19 प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी। प्रत्येक में प्रथम तीन प्रतियोगियों को ट्रॉफी से सम्मानित क जाएगा। इसके अलावा यंगर ब्वॉय, यंगर गर्ल्स, बेस्ट गर्ल्स को भी ट्रॉफी प्रदान की जाएगी और बाकी प्रतियोगियों को मेडल वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल वशिष्ठ विला, लहरी कोठी के पीछे, महाराणा प्रताप कॉलोनी रखा गया है। रजिस्ट्रेशन के लिए मोबाइल नंबर 8770141032, 9039234605 पर संपर्क कर सकते हैं।

पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह के प्रयासों से गुरावल में डेल्टा नदी पर बनेगा बड़ा पुल

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

जिले की पोहरी विधानसभा क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग और मेरी निरंतर कोशिशों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि ग्राम पंचायत गुरावल में आदिवासी बस्ती के पास डेल्टा नदी पर 195 मीटर लंबे पुल के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। इस महत्वपूर्ण पुल के निर्माण पर लगभग 7 करोड़ 12 लाख 5 हजार की राशि खर्च होगी। बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण गुरावल और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का आवागमन प्रभावित होता था। पुल के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी सुगम होगी। जनता की मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना मेरी प्राथमिकता है। पोहरी के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

खास खबर | अधिकारियों ने जिले भर के शास. स्कूलों किया किया निरीक्षण

स्कूलों में बेहतर सिक्षा व्यवस्था को लेकर कलेक्टर का सख्त रवैया

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था पर निगरानी और सुधार के लिए काम शुरू कर दिया है। उन्होंने स्कूलों में व्यवस्थाओं में सुधार करने के लिए सख्त रवैया अपनाया है। सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान ही उन्होंने समस्त अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। सभी अधिकारी आज शासकीय स्कूलों का भ्रमण करेंगे और स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता चैक करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, कक्षाओं में पठन-पाठन का स्तर, भवन की भौतिक स्थिति, चालू हालत में स्वच्छ शौचालय, परिसर की स्वच्छता तथा विद्यार्थियों को दी जा रही मध्याह्न भोजन व्यवस्था में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा है कि लापरवाही करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। यदि शिक्षक बिना किसी कारण और बिना अनुमति के स्कूलों से अनुपस्थित पाए जाते हैं,तो उनके विरुद्ध कार्यवाही होगी।

अधिकारियों ने किया स्कूलों का निरीक्षणः निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर अनुराग निंगवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का सघन औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालयों में पहुंचकर उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। अधिकारियों ने कक्षाओं में जाकर पठन-पाठन की स्थिति का जायजा लिया और विद्यार्थियों से संवाद कर उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। परिसर की स्वच्छता तथा मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता देखी गई।

हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से मनेगी स्वाधीनता की 79वीं वर्षगांठ

कलेक्टर जांगिड़ ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा कर सौंपी जिम्मेदारियां

मुरैना। अजय भारत न्यूज

भारतीय स्वाधीनता की 79वीं वर्षगांठ जिले में हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाई जाएगी। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जिले का मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउंड, मुरैना में आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण कर संयुक्त परेड की सलामी ली जाएगी। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल शहीदों की वीर नारियों एवं लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया जाएगा। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। समारोह की अंतिम रिहर्सल 13 अगस्त को होगी।

यह निर्देश कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह की

तैयारियों की समीक्षा बैठक में जिला अधिकारियों को दिए। उन्होंने मुख्य समारोह के सफल आयोजन के लिए विभिन्न अधिकारियों को आवश्यक दायित्व भी सौंपे।

कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के सभी कार्यक्रम पूर्ण गरिमा एवं व्यवस्थित ढंग से आयोजित किए जाएं। वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों एवं कारगिल शहीदों के वरिष्ठ परिजनों को सम्मानपूर्वक कार्यक्रम स्थल तक लाने तथा समारोह के उपरांत उन्हें सुरक्षित उनके निवास तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने बताया कि 15 अगस्त को मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउंड में प्रातः 9 बजे आयोजित होगा। मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान होगा। शिक्षण संस्थाओं एवं शासकीय कार्यालयों में प्रातः 8 बजे अथवा उससे पूर्व ध्वजारोहण किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन प्रातः 9:25 से 9:55 बजे तक किया जाएगा। इसका सीधा प्रसारण राज्य स्तरीय मुख्य समारोह, भोपाल से जिला स्तर पर किया जाएगा।

जनपद पंचायत मुख्यालयों पर जनपद अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा सामूहिक राष्ट्रगान होगा। ऐसी नगर पालिका एवं नगर परिषद, जिनका मुख्यालय विकासखंड मुख्यालय पर नहीं है, वहां अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और राष्ट्रगान होगा। पंचायत मुख्यालयों पर सरपंच द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा सामूहिक राष्ट्रगान होगा। समारोह में सांसद, विधायक एवं अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में खेलकूद तथा अन्य कौशल प्रदर्शन, अंतरविद्यालय एवं अंतरमहाविद्यालय स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, 15 अगस्त के महत्व पर चयनित छात्र-छात्राओं द्वारा वक्तव्य, राष्ट्रीय एकता, लघु बचत, जनसंख्या स्थिरीकरण एवं स्वच्छता अभियान से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विभिन्न कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं पदक प्रदान किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जिसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वन विभाग का आवश्यक सहयोग लिया जाएगा।

शासकीय एवं प्रमुख सार्वजनिक भवनों पर होगी आकर्षक रोशनी

स्वतंत्रता दिवस-2026 के अवसर पर 15 अगस्त की संध्या को जिले के प्रमुख शासकीय भवनों एवं राष्ट्रीय महत्व की इमारतों पर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की जाएगी।

पं. अनिल शर्मा एसडीओ दूरसंचार को प्रदेश सचिव मध्य प्रदेश का पद ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट द्वारा दिया गया

मुरैना। अजय भारत न्यूज

ब्राह्मण अन्तर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट (पंजीकृत) की ओर से गत 5 अगस्त 2026 को मित्तल धर्मशाला मुरैना स्थित एमएस रोड परिसर में दोपहर 1 बजे भगवान श्री परशुराम जी, एवं आचार्य प्रभाकर मिश्र जी के चित्र पर माल्यार्पण कर विशाल ब्राह्मण महासम्मेलन का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी शामिल हुए ।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में नई कार्यकारिणी के गठन के साथ-साथ समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इसके अलावा सामाजिक एकता, शिक्षा, संगठन के विस्तार और युवाओं की भागीदारी जैसे मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ । कार्यक्रम में कुछ समय पूर्व सिलेक्ट हुए ढ्ढक्र आशीष शर्मा, सब इंस्पेक्टर अमित पचौरी, सब इंस्पेक्टर अंकित शर्मा, जिले के सभी नियुक्त किये गये ब्राह्मण वरिष्ठ पार्षद,गिर्राज तिवारी, वृन्दावन पाराशर, उमंग दंडोतिया बसपा अध्यक्ष मुरैना, रोगी कल्याण समिति के सदस्य प्रेमकांत शर्मा ने एसयूआई, के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रोहित गोधनिया सहित कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर ग्वालियर में पदस्थ शहर के एसडीओपी दूरसंचार अनिल शर्मा को प्रदेश सचिव मध्य प्रदेश के पद पर सम्मानित किया गया प.अनिल शर्मा जी ने कार्यक्रम में गीत और संगीत प्रस्तुत किया साथ ही आज की ब्राह्मण युवा पीढ़ी और सभी वर्ग की युवाओं को, वेद रामायण और गीता तथा उपनिषद के साथ मोटिवेट और प्रोत्साहित किया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं पदाधिकारी के रूप में डॉ. डी. सुरेशचंद्र कौशिक (राष्ट्रीय अध्यक्ष) विधायक जौरा पंकज उपाध्याय, पूर्व मंत्री गिर्राज डंडोतिया, ,डॉ. हर्ष वर्धन शर्मा (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), ऋषि दयानंद शर्मा (राष्ट्रीय प्रधान महासचिव),नरेश कुमार शर्मा (राष्ट्रीय सचिव), जितेंद्र प्रसाद शर्मा (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष),राजीव शर्मा (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), लोकेन्द्र दंडोतिया (राष्ट्रीय महासचिव),प्रदीप तिवारी, हरिओम शर्मा बीएसएनएल जेई, जितेंद्र शर्मा (राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष), गिरजा शंकर भटेले (प्रदेश युवा अध्यक्ष),श्रीमती मंजरी पाठक (प्रदेश महिला अध्यक्ष) के रूप में शामिल हुए ।

दिव्यांगजनों को मिला सहारा: कृत्रिम हाथ-पैर, कैलिपर व जूते वितरित

.सबलगढ़ जनपद पंचायत परिसर में लगा निःशुल्क चिन्हांकन एवं कृत्रिम अंग-सहायक उपकरण वितरण शिविर

रवि उपाध्याय

सबलगढ़। मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के तत्वावधान में सोमवार को जनपद पंचायत सबलगढ़ के प्रांगण में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क चिन्हांकन एवं कृत्रिम अंग-सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन एडीआईपी (ADIP) योजना के अन्तर्गत किया गया, जिसमें दिव्यांगजनों को आवश्यकतानुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराये गये।

शिविर के दौरान करीब 20 दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर एवं कैलिपर लगाए गए। इसके साथ ही सभी लाभार्थियों को निशुल्क जूते भी प्रदान किए गए। वहीं 8 दिव्यांगजनों को भविष्य में सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए चिन्हित किया गया।

शिविर में दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण मिलने पर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी।

रोटरी क्लब ने भी बढ़ाया सहयोग का हाथ

शिविर में रोटरी क्लब के सदस्यों ने सेवा एवं सहयोग की भावना से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर रोटरी क्लब मुरैना के अध्यक्ष तरुण शर्मा सहित सबलगढ़ के रोटरी क्लब के नवीन सदस्य उपस्थित रहे और शिविर में पहुंचने वाले दिव्यांगजनों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

आयोजकों ने कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन को सुगम बनाना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। शिविर में दिव्यांगजनों एवं उनके परिजनों ने शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के लिए आभार व्यक्त किया ।

शिव पार्वती का सुंदर विवाह पूरे हर्षोल्लास के साथ संपन्न

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । गायत्री परिवार शाखा मुरैना द्वारा आयोजित संगीतमय शिव महापुराण कथा के पांचवे दिन शिव पार्वती का सुंदर विवाह पूरे हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ! जिसमें सैकड़ों श्रोता गढ़ों ने आनंद व धर्म लाभ प्राप्त किया। यह कथा श्री धाम वृन्दावन से पधारे हुए आचार्य श्री धर्मेंद्र उपाध्याय शास्त्री जी द्वारा यह कथा श्रवण कराई जा रही है । यह कथा दिनांक 06/08/2026 से 12/08/2026 तक कथा स्थल - श्री नवल किशोर गर्ग सेवा सदन जीवाजी गंज मुरैना में आयोजित हो रही है ।

कलेक्टर जांगिड़ ने दिव्यांग हितग्राही को प्रदान की बैसाखी एवं ट्राइसाइकिल

मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में दिव्यांग हितग्राही को सहायक उपकरण प्रदान किए। उन्होंने अस्थि बाधित दिव्यांग श्री नत्थे सिंह कुशवाह पिता श्री देवीराम, निवासी बेरियन का पुरा, दुल्हेनी, सुमावली, मुरैना को बैसाखी एवं ट्राइसाइकिल प्रदान की। सहायक उपकरण प्राप्त होने पर हितग्राही श्री नत्थे सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि ट्राइसाइकिल एवं बैसाखी मिलने से दैनिक आवागमन में सुविधा होगी तथा उन्हें अपने कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम करने में सहायता मिलेगी।

आचार्य आनन्द क्लब ने बनाई तिरंगा मानव श्रृंखला

अम्बाह। अजय भारत न्यूज

अगस्त क्रांति दिवस एवं स्वतंत्रता पर्व के उपलक्ष्य में आचार्य आनन्द क्लब के तत्वावधान में नगर में देशभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। क्लब के सदस्यों और स्कूली बच्चों ने मिलकर मुख्य मार्ग पर 'तिरंगा मानव श्रृंखला' बनाकर 'एकता में अनेकता' का संदेश दिया।

मानव श्रृंखला में शामिल सभी लोग केसरिया, सफेद और हरी ड्रेस में थे और हाथों में तिरंगा लिए खड़े थे। दूर से देखने पर पूरा मार्ग तिरंगे की तरह दिखाई दे रहा था। 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से माहौल देशमय हो गया। राहगीर और दुकानदार भी श्रृंखला को देखकर गौरवान्वित हुए और तिरंगे को सलामी दी.कार्यक्रम में क्लब के संस्थापक समाजसेवी सुधीर आचार्यने श्रृंखला के समापन पर बच्चों और उपस्थित नागरिकों को तिरंगे का इतिहास और महत्व

समझाते हुए कहा कि ब्रह्मारे तिरंगे की कल्पना पिंगली वेंकैया ने की थी। 22 जुलाई 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया। केसरिया रंग त्याग और शौर्य का प्रतीक है, सफेद रंग शांति और सत्य का, और हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है। बीच में बना 24 तीलियों वाला अशोक चक्र हमें 24 घंटे निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है.डॉ. आचार्य ने आगे कहाः

क्तितरंगा सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं है। यह हमारे शहीदों के बलिदान, हमारे संविधान और हमारी एकता का प्रतीक है। इसका सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है। अगस्त क्रांति ने हमें 'करो या मरो' का पाठ पढ़ाया था। आज हमें भी अनुशासित रहकर, नशे से दूर रहकर और शिक्षा के माध्यम से देश को मजबूत बनाना है । क्लब के अध्यक्ष अरविंद मावई ने कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जगाते हैं। जब बच्चे तिरंगे के इतिहास को समझेंगे तभी वे उसके मान-सम्मान की रक्षा कर पाएंगे. कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संयोजन जिला सम्पर्क समन्वयक बालकृष्ण शर्मा ने, प्रबंधन अंकित मिश्रा ने,संचालन विश्वनाथ गुर्जर ने और आभार महेंद्र सखबार ने किया।

नाम परिवर्तन सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सत्यपाल सिंह सिकरवार पुत्र दिनेश सिंह सिकरवार निवासी छोटे का पुरा, बागचीनी पोस्ट बाग़चीनी, मुरैना म.प्र. शपथ पूर्वक सत्य कथन करता हूं कि मेरी सभी अंकसूची में मेरा नाम सत्यपाल पुत्र दिनेश अंकित हो गया है, जो गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर कार्ड में मेरा नाम सत्यपाल सिंह सिकरवार पुत्र दिनेश सिंह सिकरवार दर्ज है, जो पूर्णतः सही और सत्य है।अतः आज दिनांक से मुझे मेरे सही नाम सत्यपाल सिंह सिकरवार पुत्र दिनेश सिंह सिकरवार के नाम से जाना जावे ।

सूचनाकर्ता
सत्यपाल सिंह सिकरवार पुत्र दिनेश सिंह सिकरवार
निवासी छोटे का पुरा बागचीनी पोस्ट बागचीनी, मुरैना म.प्र. 476219

रोटरी क्लब चम्बल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

करतार सिंह राजपूत ने ली अध्यक्ष पद की शपथ
रोट्रेक्ट क्लब चम्बल की हुई लॉन्चिंग, 30 रोटरेक्टर ने ली मंच पर शपथ

मुरैना। अजय भारत न्यूज

रोटरी क्लब चम्बल के नवीन सत्र 2026-27 की नवीन कार्यकारणी का शपथ एवं दायित्व ग्रहण समारोह 9 अगस्त रविवार को बानमोर स्थित होटल शुभहिम रेसोर्ट में सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली प्रदेश की महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता, गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में ग्वालियर डिवीज़न डीआईजी डॉ. असित यादव, सम्मानित अतिथि के रूप में पीडीजी रोटेरियन भपेंद्र जैन, डीजी रोटेरियन बृजमोहन अग्रवाल, एमपीसीसीआई ग्वालियर के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सह प्रान्तपाल रोटेरियन प्रकाश अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एमपी रोटेरियन आनंद गुप्ता उपस्थित रहे, कार्यक्रम में सर्प्रथम पधारे हुए । कार्यक्रम में स्वागत भाषण क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष अभय परमार ने दिया, गतबर्ष के क्रियाकलापों का विवरण निवर्तमान कोषाध्यक्ष अनूप सिंघल ने सदन के समक्ष रखा एवं रोटरी फॉर वे टेस्ट का वाचन रोटेरियन दिलीप गांगिल ने किया, शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नवीन अध्यक्ष करतार सिंह राजपूत, नवीन सचिव मयंक श्रीवास्तव एवं उनकी पूरी टीम को शपथ ग्रहण अधिकारी डीजी रोटेरियन बृजमोहन अग्रवाल द्वारा शपथ दिलाई गई । नवीन सदस्यों को शपथ इंडक्शन ऑफिसर रोटेरियन सीए प्रकाश अग्रवाल द्वारा शपथ कराई गई । शपथ के उपरांत नवीन अध्यक्ष करतार सिंह राजपूत ने रोटरी क्लब चम्बल के अध्यक्ष बनने की सहमति सदन को दी और अपने कार्यकाल में किये जाने वाले कार्यो की रूपरेखा सदन के समक्ष प्रस्तुत की । अध्यक्ष का परिचय सदन को एलईडी के माध्यम से

अवगत करवाया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती लता गुप्ता का परिचय मंच संचालन कर रही श्रीमती शिल्पी जैन एवं बिजेंद्र गुप्ता ने दिया । कार्यक्रम में मुरैना के 2 होनहार विद्यार्थी जिन्होंने नीट परीक्षा 2026 में क्वालिफाइड होकर मुरैना का नाम रोशन किया एवं सेवा के कार्यों में समर्पित 5 रोटरी क्लब चम्बल के सदस्यो को मुख्य अतिथि द्वारा चम्बल गौरव सम्मान देकर सम्मानित किया गया, जिसमें परी बंसल, कृष्णा गुप्ता, गिर्राज शर्मा, प्रमोद उपाध्याय, सिद्दार्थ अग्रवाल, रमन अग्रवाल, ताराचंद्र शिवहरे का सम्मान किया गया ।

रोटेरियन गिर्राज शर्मा द्वारा रोटरी द्वारा विश्वभर में चलाए जा रहे सेवा कार्यों के लिए द रोटरी फॉउंडेशन में सहयोग करते हुए 1000 डॉलर का चेक डीजी ब्रजमोहन जी को सौपा । रोट्रेक्ट क्लब चम्बल का हुआ आगाज 30 युवाओं ने ली शपथ, आकांक्षा सिकरवार बनी अध्यक्ष, मोनिका शिवहरे को मिला सचिव का दायित्व एवं सिमरन राजपूत को मिली कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी ।कार्यक्रम में क्लब फाउंडर एवं डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एमपी रोटेरियन आनंद गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि रोटरी क्लब चम्बल युवाओं का जोशीला क्लब है

जिसमें समाज सेवा एवं मानवसेवा के लिए ऊर्जा का सदैव संचार रहता है, आनंद गुप्ता ने कहा की रोटरी क्लब चम्बल रूपी वो पौधा है जिसकी नीव 2018 में आदरणीय स्व. सीताराम गर्ग ने रखी थी वो आज वट वृक्ष बन चुका है । सह प्रान्तपाल प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब चम्बल कोई भी बड़ा प्रोजेक्ट करें डिस्ट्रिक्ट से पूरा सहयोग मिलेगा । विशिष्ट अतिथि श्री प्रवीण अग्रवाल ने रोटरी क्लब चम्बल की युवा टीम की प्रशंसा की और बधाईया दी, रोटरी क्लब चम्बल इसी तरह से समाज में कार्य करे हमारा पूरा सहयोग मिलेगा, साथ ही साथ उन्होंने रोटरी की मानक सदस्यता भी ली रोटरी की टीम को सेवा कार्यों को अनवरत जारी रखने हेतु बधाई और शुभकामनाएं दी । पीडीजी भपेंद्र जैन ने कहा कि रोटरी क्लब चम्बल मेम्बरशिप ग्रोथ करे और 100 सदस्य बनाकर एमपी का तीसरा सबसे बड़ा क्लब बने, डीजी ब्रजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब चम्बल को बड़े और स्थाई प्रोजेक्ट करने चाहिए । गेस्ट ऑफ ऑनर डीआईजी डॉ असित यादव नवनिर्वाचित अध्यक्ष और चम्बल क्लब की पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी । मुख्य अतिथि लता गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं इसी शहर की बेटी हु और सदैव समाजसेवा के क्षेत्र में जो भी अच्छे कार्य करता है उसको सहयोग करती हूं, रोटरी संस्था सदैव मानवहित और समाजसेवा गतिविधियों में संलग्न रहती है, उन्होंने रोटरी क्लब चम्बल की नवनियुक्त टीम को बधाईया दी । कार्यक्रम के उपरांत सभी अतिथियों को स्मृति देकर सम्मानित किया गया । वोट ऑफ थैंक्स आभार क्लब के सचिव मयंक श्रीवास्तव ने दिया, कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ । शपथ ग्रहण कार्यक्रम में रोटरी डिस्ट्रिस्ट 3053 के डिस्ट्रिक् ऑफिसर्स भिवाड़ी, ग्वालियर, धौलपुर, डबरा से पधारे रोटेरियन साथियों ने शिरकत की, शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुरैना शहर के सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों जैसे रोटरी क्लब मुरैना, लायंस क्लब, पहल परिवार, कैट, वैश्य महासम्मेलन, कामतानाथ भक्तमण्डल, अपना घर के साथ साथ शहर के गणमान्य व्यक्तियो एवं सभी समूहों के पत्रकार बंधुओ ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया, रोटरी क्लब चम्बल के सभी सदस्य मय परिवार के कार्यक्रम में उपस्थित हुए । कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती शिल्पी जैन एवं बिजेंद्र गुप्ता ने किया । रोटरी क्लब चम्बल ने पधारें हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया ।

मुरैना में हूटर पर चला प्रशासन का डंडा, नगर निगम सभापति की गाड़ी का भी कटा चालान,24 लोगों के 80 हजार का चालान काटा

अजय भारत न्यूज

मुरैना। शहर में अवैध हूटर और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रशासन और पुलिस ने सोमवार को सख्त कार्रवाई की। न्यायिक मजिस्ट्रेट और पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर में वाहनों की चेकिंग कर कई गाड़ियों से अवैध हूटर हटाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे।

चेकिंग के दौरान नगर निगम मुरैना के सभापति राधाचरण दंडोतिया की गाड़ी भी टीम के निशाने पर आ गई। जांच में उनकी गाड़ी पर अवैध हूटर लगा मिला। पुलिस ने हूटर हटाने के साथ ही वाहन का चालान भी काट दिया। कार्रवाई के बाद सभापति को अपनी गाड़ी छोड़कर बाइक से रवाना होना पड़ा।

कार्रवाई का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। वहीं, सभापति राधाचरण दंडोतिया ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पक्षपात का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि अवैध हूटर के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है तो सभी के वाहनों पर समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महापौर की गाड़ी का चालान नहीं काटा गया, जबकि विपक्ष से जुड़े लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इस पूरे मामले में कोतवाली थाना प्रभारी अमित भदौरिया ने पुलिस की कार्रवाई और चेकिंग अभियान को लेकर अपना पक्ष रखा। अब सभापति के आरोपों के बाद हूटर कार्रवाई को लेकर शहर की सियासत भी गरमा गई है।

उत्तर मध्य रेलवे

No.: JHS/W/DO/misc/LC-451 Dated: 10.08.2026

सार्वजनिक अधिसूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्वालियर - धौलपुर रेल मार्ग पर मुरैना - सिकरोदा खंड में स्थित रेलवे फाटक क्र. 451 रेलवे किमी Km 1265/12-14 DN Road पर Sleeper replacement पर कार्य हेतु दिनांक **12.08.2026** से **13.08.2026** तक अस्थायी तौर पर बंद किया जा रहा है। इस दौरान वैकल्पिक मार्ग के रूप में आने जाने हेतु उपरी पुल मुरैना (ROB) ब्रिज का उपयोग किया जा सकता है।

वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर उत्तर मध्य रेल, झाँसी

1847/26 (PH)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

NAME CHANGE NOTICE

I, Aditya Singh Tomar, S/o Sanjay Singh, R/o Gram Navali, Post Thara, Ambah, District Morena, Madhya Pradesh – 476111, aged 25 years, have changed my name and shall hereafter be known as Santosh Singh Tomar for all future purposes.

Vide Affidavit dated 08/08/2026, sworn before Notary Public Brajesh Kumar Shrivastava, Tehsil Ambah, District Morena, Madhya Pradesh.

मध्यप्रदेश शासन

भारतवर्ष की चौदह विद्याएं चौंसठ कलाएं बनी आधुनिक युग की शक्ति

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रतियोगिता

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

महर्षि सांदीपनि, श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित

छात्रवृत्ति राशि
प्रति छात्र

₹ 1,00,000

छात्रवृत्ति संख्या
102 विद्यार्थी (51 विद्यालय वर्ग +51 महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय)

प्रारंभ तिथि
प्रतियोगिता की प्रारंभ तिथि 11 अगस्त, 2026

चयन प्रक्रिया
विजेताओं का चयन लॉटरी के माध्यम से

पात्रता
प्रदेश के सभी विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क

अंतिम तिथि
प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2026

वितरण
छात्रवृत्ति वितरण मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर, 2026

D-11075/26

आयोजक
श्रीकृष्ण पाथेय न्यास
मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति विभाग का आयोजन

सहभागिता
स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनसंपर्क विभाग

प्रतियोगिता की अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अजय दीक्षित द्वारा मे. सद्गुरू कृपा प्रकाशन, होशंगाबाद रोड भोपाल से मुद्रित एवं 25, क्षिप्रा काम्पलेक्स, साऊथ टी.टी. नगर भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित । R.N.I. पंजीयन क्रमांक MPHIN/2014/57342, प्रधान संपादक अजय दीक्षित मो. 94251-26037